www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 345 || अम्बेडकरनगर
शनिवार
14 मार्च 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:18
सूर्यास्तः 06:14
अधिकतमः 36°00
न्यूनतमः 21°00

पेज 07

विशेष समाचार » ममता आर पार की लड़ाई के... » पेज 04 | शियाओं का प्रदर्शन, बच्चे ... » पेज 06 | अनन्या ने पुराने रिश्तों पर..

10 लाख आबादी को फायदा, राजनाथ बोले- अगले महीने चालू होगा कानपुर एक्सप्रेस-वे

11 किलोमीटर लंबा ग्रीन कॉरिडोर शुरू

लोकार्पण

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । लखनऊ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ग्रीन कॉरिडोर फेज-2 का शुक्रवार को लोकार्पण किया। समता मूलक चौराहे पर राजनाथ सिंह और सीएम योगी ने फीता काटकर इसे जनता को सौंपा। इस दौरान कॉरिडोर के तीसरे-चौथे फेज का शिलान्यास भी किया। झूलेलाल पार्क में आयोजित जनसभा में राजनाथ सिंह ने कहा- इस महीने के अंत या अप्रैल की शुरुआत में लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे शुरू हो जाएगा। इसके बाद दोनों शहरों के बीच की दूरी मात्र 35 से 40 मिनट के बीच तय हो सकेगी।

योगी जी को लोग बुलडोजर बाबा के नाम से जानते हैं। इन्होंने माफियाओं को सही कर दिया। बुलडोजर सिर्फ तोड़ने का ही नहीं। नए विकास की जमीन भी तैयार करता है। डिफेंस सेक्टर में भी लखनऊ पीछे नहीं है। ब्रह्मोस, एयरो स्पेस से संबंधित काम भी लखनऊ में होगा। ब्रह्मोस से हमने आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा- राजनाथ जी ने विकास के मामले में लखनऊ को नंबर वन बना दिया। ग्रीन कॉरिडोर बनने के बाद डालीगंज से दाबे IIM रोड तक चले जाओ, 15 मिनट लगेगा। कॉरिडोर का निर्माण रिकॉर्ड समय में काम पूरा करने वाले श्रमिकों को भी सम्मानित किया गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

गोमती नदी के दोनों किनारों पर बन रहा ग्रीन कॉरिडोर कुल 57 किमी लंबा है। इसे 4 फेज में विकसित किया जा रहा। इसमें चौड़ी सड़कें, 6 लेन, हरियाली और सुगम यातायात के लिए मॉडर्न डिजाइन अपनाई गई है। फेज-2 शुरु होने से करीब 10 लाख लोगों को फायदा मिलेगा।

- ग्रीन कॉरिडोर के फेज-2 का निर्माण रिकार्ड समय में पूरा हुआ है। राजनाथ सिंह ने इसमें लगे श्रमिकों को सम्मानित किया।
- डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को ग्रीन कॉरिडोर का स्मृति चिन्ह भेंट किया।
- ग्रीन कॉरिडोर शुरू होने के बाद गाड़ियां सड़क पर दौड़ने लगीं। अब लोग निशातगंज से लेकर समता मूलक तक नॉन स्टाप आ-जा सकेंगे।

राजनाथ बोले- अगले महीने तक चालू होगा लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे

इस महीने के अंत या अप्रैल महीने की शुरुआत में ही लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे शुरू हो जाएगा। इसके बाद दोनों शहरों के बीच की दूरी मात्र 35 से 40 मिनट के बीच तय हो सकेगी।

सीएम विकास के साथ ही स्वच्छता पर भी ध्यान दे रहे। घर घर से कूड़ा उठाया जा रहा। पहले लोग गोमती में कूड़ा फेंक देते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं है। पिछले साल लखनऊ को स्वच्छता में तीसरी रैंक मिल चुकी है, इसके लिए सभी को बधाई।

योगी ने कहा- लखनऊ के अंदर कनेक्टिविटी को प्रभावी बनाने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपना वेतन हमें बताया तो हमने इसे लखनऊ विकास प्राधिकरण को बताया। इसके बाद प्रशासन की जिस जमीन पर आक्रमण किया गया था, उसी जमीन से कब्जा हट-कर उसी पैसे का प्रोजेक्ट बनाया गया। इसमें शासन ने प्राधिकरण को पैसा नहीं दिया है।

देश की सुरक्षा को मजबूती दे रहा लखनऊ- राजनाथ सिंह

राजनाथ ने कहा- डिफेंस सेक्टर में भी लखनऊ पीछे नहीं है। ब्रह्मोस, एयरो स्पेस से संबंधित काम भी लखनऊ में होगा। ब्रह्मोस से हमने आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। अगर उन्होंने दोबारा कभी ऐसा करने का सोचा तो वह इससे कभी उबर नहीं पाएंगे। ब्रह्मोस की टेस्टिंग, इंटीग्रेशन फैसिलिटी का काम अब लखनऊ में होगा। लखनऊ देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती देने का काम हो रहा है।

राजनाथ बोले- योगी जी ने माफियाओं को सही कर दिया

योगी जी को लोग बुलडोजर बाबा के नाम से जानते हैं। इन्होंने माफियाओं को सही कर दिया। बुलडोजर सिर्फ तोड़ने का ही नहीं। नए विकास की जमीन भी तैयार करता है। कुछ ही दिनों में लखनऊ से कानपुर की यात्रा 35 से 45 मिनट में पूरी हो सकेगी। यह नया अध्याय होगा।

लखनऊ एआई सिटी के रूप में विकसित होगा- योगी

लखनऊ AI सिटी के रूप में विकसित होगा। सरकार ने इसके लिए भी धन की व्यवस्था कर ली है। दुश्मन को ठिकाने लगाने वाले ब्रह्मोस के इंजीनियर ज्यादातर AKTI, पॉलीटेक्निक और सरकारी कालेजों से हैं। लखनऊ इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के रूप में विकसित हो रहा है।

■ रक्षामंत्री और लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह, सिटी मॉन्टेसरी स्कूल के सुशांत गोल्फ सिटी कैंपस में पहुंच चुके हैं। उन्होंने यहां नए शैक्षणिक भवन का उद्घाटन किया। राजनाथ सिंह के साथ मेयर सुषमा खर्कवाल और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी मौजूद हैं।

राजनाथ ने विकास में लखनऊ को नंबर 1 बनाया- ब्रजेश पाठक

बृजेश पाठक ने कहा कि लखनऊ में सोने पर सुहागा हो गया है। राजनाथ सिंह ने जबसे कमान संभाली है तब से लखनऊ विकास के मामले में नंबर वन है। लखनऊ में रक्षा मंत्री ने ओपन जिम लगवाने का काम किया है। हमने कभी इतना बड़ा काम नहीं किया, जितना रक्षा मंत्री ने किया है। ग्रीन कॉरिडोर बनने के बाद मजा आ गया है। डालीगंज से हरहरवुआ दाबे IIM रोड तक चले जाओ 15 मिनट लगेगा।

2300 तक महंगी इंडिगो की इंटरनेशनल फ्लाइट

असर : घरेलू उड़ानों पर 425 बढ़ेंगे

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच जारी जंग का असर अब आपकी हवाई यात्रा पर भी पड़ने लगा है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो की फ्लाइट से यात्रा 14 मार्च से महंगी होने जा रही है। एयरलाइन ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट टिकटों पर 425 से 2300 तक फ्यूल चार्ज लगाने का फैसला किया है। इसके बाद नई बुकिंग करने वाले यात्रियों को टिकट के साथ एक्सट्रा फ्यूल चार्ज देना होगा। एयरलाइन का कहना है कि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध के

■ एयरलाइन जेट फ्यूल महंगा होने से एक्स्ट्रा चार्ज लेगी

कारण जेट फ्यूल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई है, इसलिए यह कदम उठाया गया है। कंपनी के मुताबिक भारत और भारतीय उपमहाद्वीप की उड़ानों पर 425 फ्यूल चार्ज लगेगा, जबकि मिडिल ईस्ट की फ्लाइट के लिए 900 अतिरिक्त देना होगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

पीरियड्स में पेड लीव की याचिका एससी में खारिज

कोर्ट ने याचिकाकर्ता के अधिकार क्षेत्र पर भी सवाल उठाया

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को देशभर में महिला छात्रों और कामकाजी महिलाओं को पीरियड्स में पेड लीव देने की मांग वाली याचिका खारिज हो गई।

CJI सूर्यकांत ने कहा कि ऐसी याचिकाएं अनजाने में महिलाओं के बारे में बनी रूढ़ियों को और मजबूत कर सकती हैं। यह कानून बनाया तो महिलाओं को कोई काम नहीं देगा, उनका करियर खत्म हो जाएगा। CJI ने कहा ये याचिकाएं डर पैदा करने के लिए, महिलाओं को हीन दिखाने के लिए, यह जताने के लिए

■ सीजेआई बोले कानून बनाया तो महिलाओं को कोई काम नहीं देगा, उनका करियर खत्म हो जाएगा

दायर की जाती हैं कि पीरियड्स उनके साथ होने वाली कोई बुरी चीज है। यह उनका पॉजिटिव राइट है, लेकिन उस नियोक्ता के बारे में सोचिए, जिसे पेड लीव देनी होगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

इंडिगो के एक विमान के लिए एवरेज 8 पायलट

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने गुरुवार को संसद में बताया कि इंडिगो में पायलट-टू-एयरक्राफ्ट रेश्यो 7.6 है यानी एक विमान के लिए एवरेज 8 पायलट हैं। ये देश की अन्य घरेलू एयरलाइंस के मुकाबले सबसे कम है।

उद्घाटन | शिलान्यास

कांग्रेस ने लगातार असम से झूठ बोला : पीएम

गुवाहाटी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने असम के लोगों से लगातार झूठ बोला। कांग्रेस की गलत नीतियों ने इस राज्य को नुकसान पहुंचाया।

उन्होंने कहा कि हमने देखा कि बाहरी देशों के युद्ध की वजह से हमारे किसानों पर असर पड़ता है। हमने कृषि को बाहरी संकट से बचाने के लिए आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन दिया है। कांग्रेस ने साबित कर दिया कि वो किसी भी स्थिति देश के लिए ईमानदार नहीं है।

मोदी ने कहा कि आज युद्ध की स्थिति में कांग्रेस केवल गलत प्रचार करने में जुटी है। वे केवल देश को अंधेरे में रखना चाहते हैं, देश को गुमराह कर रहे हैं।

एलपीजी संकट पर संसद में विपक्ष की नारेबाजी

नई दिल्ली । संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज के 5वें दिन, शुक्रवार को भी विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों ने 8 निलंबित सांसदों की वापसी की मांग की। इस पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा- सदन की मेजों पर चढ़ोगे तो यही एक्शन होगा।

भारत हमारा दोस्त, होर्मुज में सुरक्षित रास्ता देंगे : ईरान

2-3 घंटे में ऐसा होते देखेंगे, ओमान में ड्रोन अटैक में 2 भारतीयों की मौत

राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान । भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहाली ने कहा है कि ईरान भारत को सुरक्षित रास्ता देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत और ईरान के बीच दोस्ताना संबंध हैं।

नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान उनसे सवाल पूछा गया कि क्या ईरान भारत को होर्मुज स्ट्रेट में रास्ता देगा। इस पर फतहाली ने कहा, "हां, क्योंकि भारत हमारा दोस्त है। आप दो-तीन घंटे में ऐसा

होते देखेंगे।" उनके मुताबिक भारत और ईरान के बीच लंबे समय से सहयोग और विश्वास का रिश्ता रहा है।

इसी बीच ओमान के सोहर प्रांत में ड्रोन गिरने से दो भारतीय कामगारों की मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक सुरक्षा बलों ने एक ड्रोन को मार गिराया था, जिसके बाद उसका मलबा गिरने से यह हादसा हुआ। >> (शेष पेज 06 पर)

दावा- ईरान के नए सुप्रीम लीडर का पैर काटना पड़ा

कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई गंभीर रूप से घायल हैं और कोमा में हैं। ब्रिटिश मीडिया द सन की रिपोर्ट के मुताबिक 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल के हमले में घायल होने के बाद उन्हें तेहरान के सिना यूनिवर्सिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। >> (शेष पेज 06 पर)

'मोदी साइकोलॉजिकली खत्म'

राहुल बोले- अमेरिका के आगे नरेंदर ने सरेंडर कर दिया, वह अब भारत के प्रधानमंत्री नहीं

भाषण

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, राहुल गांधी जिंदाबाद करने से कोई फायदा नहीं है। इससे कुछ होता नहीं है। होता कैसे है, जो मन बना लेता है कि ये जो हो रहा है, उसे मैं एक्सेप्ट नहीं करने वाला हूं। भाषण देने से पहले मैं सोच रहा था कि आंबेडकर शिक्षा की बात करते थे। संगठित होने की बात करते थे। आज हम काशीराम को याद करते हैं। लेकिन आज समाज को 15 और 85 बांट दिया गया है। फायदा सिर्फ 15% वालों को मिल रहा है। 50% को अलग-अलग कर दिया गया। राहुल गांधी ने कहा,

जवाहरलाल नेहरू जिंदा होते तो कांशीराम उत्तर प्रदेश के चीफ मिनिस्टर होते। उन्होंने कहा, केंद्रीय मंत्री हरदीपपुरी का नाम एपस्टीन फाइल में है। उनकी बेटी की कंपनी में जॉर्ज सोरोस की फंडिंग है। नरेंद्र मोदी अब भारत के प्रधानमंत्री नहीं रहे, वे अमेरिका का काम कर रहे हैं। जब मैं यह बात संसद में बोलने जा रहा था तो नरेंद्र मोदीजी भाग कर निकल गए। इससे पहले एयरपोर्ट पर कांग्रेस के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। पहली बार है जब राहुल गांधी कांशीराम जयंती से 2 दिन पहले कोई बड़ा इवेंट लखनऊ में करने आए हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

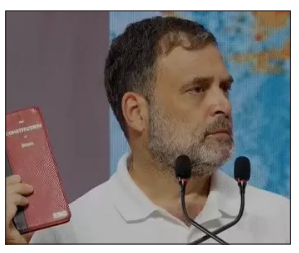

यूपी में कांग्रेस के सामने कई चुनौतियां

कांग्रेस के सामने कई चुनौतियां हैं। दलित राजनीति में बसपा का प्रभाव अब भी बरकरार है, खासकर जाटव समुदाय में उसका भावनात्मक जुड़ाव मजबूत है। दूसरी ओर, भाजपा ने भी पिछले 10 बरसों में दलित वर्गों के बीच संगठन मजबूत किया है और सरकारी योजनाओं के जरिये समर्थन बढ़ाया है, इसलिए कांग्रेस के लिए इस वोट बैंक में बड़ी जगह बनाना आसान नहीं है।

बसपा-भाजपा के दबाव में, इसका दूसरी पार्टियों को फायदा

वरिष्ठ पत्रकार हर्षवर्धन त्रिपाठी कहते हैं- मौजूदा समय में बसपा सबसे कमजोर हालत में है। लोकसभा में उसका कोई भी सदस्य नहीं। यूपी के विधानसभा में मात्र एक विधायक है। राज्यसभा में भी दिसंबर के बाद उसके जीरो होने का आसार हैं। सपा-कांग्रेस दोनों ही पार्टियों को लगता है कि कमजोर बसपा का वो विकल्प बन सकती हैं। दोनों पार्टियां बसपा को भले ही कमजोर कहने से बचती हैं, लेकिन मायावती पर भाजपा के दबाव में काम करने के आरोप लगाकर इसी कमजोरी को उजागर करने की कोशिश करती हैं।

आयोजन : सामूहिक कार्यक्रम में संपन्न हुई शादियां, नवदंपतियों को मिली सरकारी सहायता

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 138 जोड़ों का विवाह

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत जिले में सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रस्तावित 140 जोड़ों के सापेक्ष 138 जोड़ों का विवाह सकुशल संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और परिजन मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी नवविवाहित जोड़ों का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह कराया गया। विवाह के बाद नवदंपतियों को सरकार की ओर से निर्धारित

सहायता राशि और उपहार सामग्री भी प्रदान की गई। इस योजना से ऐसे परिवारों को राहत मिलती है, जिन्हें विवाह के खर्च को लेकर कठिनाई का सामना करना पड़ता है। प्रशासन की ओर से कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए पहले से तैयारी की गई थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

> मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग करना है। योजना के तहत विवाह समारोह का आयोजन सामूहिक रूप से किया जाता है और नवदंपतियों को आर्थिक सहायता के साथ आवश्यक घरेलू सामग्री भी दी जाती है।

मुख्य अतिथि की मौजूदगी में हुआ आयोजन

सामूहिक विवाह कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम में पूर्व विधायक त्रिवेणी राम, पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा यमुना प्रसाद चतुर्वेदी सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी शामिल हुए। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

किल्लत : पंजाब में लोग सिलेंडर उठाकर भाग रहे

भोपाल में गैस एजेंसी के बाहर लंबी कतारें

हाहाकार

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में LPG की किल्लत हो गई है। गैस एजेंसियों के बाहर लम्बी लाइनें हैं। गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी भी हो रही है। कई जगहों पर 2 हजार का कॉमर्शियल सिलेंडर 4 हजार में बिक रहा है। वहीं पंजाब में लोग सिलेंडर लेकर भागते नजर आए। केरल में करीब 40% रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर है। उधर, दिल्ली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने LPG सप्लाई की बिगड़ी स्थिति को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। राजस्थान में प्रदर्शन करते हुए

■ सरकार बोली- किल्लत की वजह पैनिक बुकिंग और अफवाहें

सिलेंडर की शवयात्रा निकाली गई। सरकार की तरफ से पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी (मार्केटिंग एवं ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने कहा कि LPG एक चिंता का विषय जरूर है क्योंकि हमारा ज्यादातर इम्पोर्ट 'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' के रास्ते आता है, जो फिलहाल बंद है।

>> (शेष पेज 06 पर)

लोकसभा और विधानसभा चुनाव में बेईमानी का लगाया आरोप: अखिलेश यादव

'2027 में भाजपा का होगा सफाया'

आरोप

- इंटरव्यू में बोले-2022 से ली सीख, पीडीए के तहत पीड़ित और वंचितों को किया एकजुट, गैस संकट, चुनाव आयोग और कानून व्यवस्था पर भी उठाए सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री Akhilesh Yadav ने कहा है कि यदि लोकसभा चुनाव में कई सीटों पर बेईमानी न हुई होती तो दिल्ली में भाजपा की सरकार नहीं बनती। उनका आरोप है कि उत्तर प्रदेश में भी भाजपा ने बेईमानी के जरिए सरकार बनाई। उन्होंने कहा कि 2022 का विधानसभा चुनाव भाजपा हार गई थी, लेकिन बेईमानी के दम पर सत्ता में बनी रही। शुक्रवार को एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में Akhilesh Yadav ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने 2022 के चुनाव से सबक लिया और PDA (पीड़ित, दुखी और अपमानित) के नारे के तहत लोगों को एकजुट किया। उन्होंने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के तहत समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को सबसे अधिक सीटें मिलीं और जनता ने भाजपा की नीतियों के खिलाफ वोट दिया।

'संविधान और सामाजिक न्याय की लड़ाई जारी'

अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी कानून के राज की स्थापना के साथ-साथ सामाजिक न्याय के राज की लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सत्ता में संविधान खतरे में है और पीड़ित वर्गों के लिए संविधान ही सुरक्षा की गारंटी है। उन्होंने कहा कि PDA वर्ग की जिम्मेदारी है कि वह संविधान की रक्षा करे।

चुनाव आयोग और वोटर लिस्ट पर आरोप

अखिलेश यादव ने कहा कि विपक्षी दलों का मानना है कि चुनाव आयोग वोट काटने के लिए एसआईआर करा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा, चुनाव आयोग और प्रशासन की तिकड़ी लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कन्नौज और सुल्तानपुर के उदाहरण देते हुए कहा कि फर्जी हस्ताक्षर से वोट काटने की कोशिश की गई।

अखिलेश यादव ने कहा कि पूज्य शंकराचार्य को झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है और उनके खिलाफ साजिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य जैसे संतों पर सवाल नहीं उठाए जा सकते और भाजपा सरकार सनातन परंपरा को बदनाम करने का काम कर रही है।

कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर उठाए सवाल

पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रदेश में गांजा तस्करी और भ्रष्टाचार के मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि कानपुर, लखनऊ, वाराणसी समेत कई जगहों पर बड़ी मात्रा में गांजा पकड़ा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस तक इसमें शामिल पाई गई है और सरकार एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की बात करती है, जबकि जमीनी हालात खराब हैं। Akhilesh Yadav ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर युवाओं को रोजगार मिलेगा, पुरानी पेंशन योजना लागू की जाएगी और 69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों को न्याय दिलाया जाएगा।

सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार में रसोई गैस की किल्लत हो गई है और लोग घंटों लाइन में लगने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इसे अफवाह बता रही है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और है। उन्होंने आरोप लगाया कि होटल और छोटे कारोबार भी गैस की कमी से प्रभावित हो रहे हैं।

रैपर बादशाह के खिलाफ अपर्णा ने योगी को चिट्ठी लिखी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । रैपर बादशाह का हरियाणा के बाद यूपी में भी विरोध शुरू हो गया है। महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने गुरुवार को CM योगी आदित्यनाथ को एक चिट्ठी लिखी है। उन्होंने यूपी में बादशाह के स्टेज शो पर रोक लगाने की मांग की है।

अपर्णा ने लेटर में लिखा है-बाद-शाह के नए गाने टटीरी में महिलाओं के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया है। आपत्तिजनक दृश्य दिखाए गए हैं। स्कूल जैसे पवित्र स्थान को भी अपमानजनक शब्दों से संबोधित किया गया है। इससे महिलाओं की गरिमा का घोर अपमान हुआ है।

अपर्णा यादव ने कहा- गाने में स्कूल यूनिफॉर्म पहने छात्राओं को अनुचित तरीके से दिखाया गया है। इससे महिलाओं की गरिमा और सामाजिक मूल्यों को ठेस पहुंचती है। इस मामले में FIR दर्ज किए जाने और लुकआउट सर्कुलर जारी होने की भी जानकारी मिली है। मुख्यमंत्री से अनुरोध है कि प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए जाएं कि सिंगर बादशाह के किसी भी प्रस्तावित कार्यक्रम की अनुमति रद्द की जाए।

- कहा- शो पर रोक लगाएं टटीरी गाने में महिलाओं का अपमान हुआ

महिलाओं का अपमानः गाने में अश्लील शब्दों के प्रयोग पर गंभीर आपत्ति जताई गई है। हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने इसे असभ्य और महिलाओं को 'ऑब्जेक्टिफाई' करने वाला बताया।

बिना अनुमति फिल्मांकनः गाने में जींद रोडवेज की बस और नरवाना के सच्चा खेड़ा गांव के सरकारी स्कूल का सीन दिखाया गया है।

फास्ट न्यूज

कांशीराम जयंती पर कांग्रेस का सामाजिक परिवर्तन सम्मेलन

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम की जयंती को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। कांग्रेस ने दलितों को अपने पाले में करने के लिए बड़ा दांव खेला है। कांग्रेस लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शुक्रवार को सामाजिक परिवर्तन दिवस के रूप में कांशीराम जयंती मनाएगी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे।

लखनऊ में मार्च में पड़ रही अप्रैल वाली गर्मी

लखनऊ । लखनऊ में शाम और सुबह हल्की ठंडी हवा का असर रहता है, लेकिन दिन चढ़ने के साथ चटक धूप हो रही है। इसके चलते मौसम गर्म हो रहा है। इससे मार्च में ही अप्रैल वाली गर्मी महसूस की जा रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री के आसपास दर्ज किया जाएगा। मार्च में अभी तक अधिकतम के साथ न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहा है। गुरुवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 35.1 डिग्री रहा। यह सामान्य से 3.1 डिग्री अधिक रहा।

लखनऊ में मेड ने सोने के जेवर चुराए

लखनऊ । लखनऊ के आशियाना इलाके में मेड पर जेवर चोरी करने का आरोप लगा है। परिवार ने शक होने पर पुलिस बुलाई। इस पर मेड ने चोरी कबूल करते हुए सामान लौटाने की बात कही।

सेक्टर-एन आशियाना निवासी रत्नेश शर्मा ने बताया कि उनके घर में सेक्टर एम रिक्शा कॉलोनी निवासी लक्ष्मी भारती पत्नी नरेश भारती पिछले करीब 11 महीनों से साफ-सफाई और बर्तन धोने का काम कर रही थी।

टुंडे कबाब और कश्मीरी चाय बन पाना मुश्किल

गैस किल्लत का 5 हजार दुकानों पर असर, चटोरी गली में 60% दुकानें बंद

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में एलपीजी गैस सिलेंडर की किल्लत काफी बढ़ गई है। हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। तमाम होटल, रेस्टोरेंट और छोटे दुकानदारों के पास कुछ ही दिन के लिए गैस बची है। कई दुकानदारों ने तो कोयले की भट्ठी और लकड़ी के चूल्हे बना लिए हैं।

कोयले और लकड़ी के इस्तेमाल से न केवल खर्च बढ़ गया है, बल्कि काम करना भी मुश्किल हो गया है। कारीगरों को भी कोयले पर काम करने में दिक्कत हो रही है। हालांकि शहर में कोयला भट्ठियां प्रतिबंधित हैं। गैस सिलेंडर की किल्लत होने शीरोज हैंगआउट कैफे ने फिलहाल लंच और डिनर सर्विस बंद कर दी है। फेमस चटोरी गली में सन्नाटा पसरा हुआ है। चटोरी गली में 50 से 60 फीसदी दुकानें बंद हो गई हैं। यहां करीब 200 लोग रोजगार से जुड़े हैं। इसके अलावा पुराने लखनऊ और कई वेंडिंग जोन में भी कई दुकानें बंद हो गई हैं। व्यापार संघ से जुड़े लोगों की मानें तो गैस की वजह से शहर में करीब 5 हजार छोटी-बड़ी दुकानें प्रभावित हुई हैं। गैस संकट से जूझ रहे दुकानदारों और रेस्टोरेंट संचालकों का कहना है कि अगर जल्द ही आपूर्ति सामान्य नहीं हुई तो उन्हें कारोबार चलाना मुश्किल हो जाएगा। लखनऊ में गैस सिलेंडर की किल्लत के बाद अब शहर में भट्ठियों के दाम भी तेजी से बढ़ गए हैं। भट्ठी की दुकानों पर भारी भीड़ देखने को मिल रही है और कई जगह इन्हें मनमाने दामों पर बेचा जा रहा है।

टुंडे कबाबी के ग्रैंड सन फराज का दर्द

टुंडे कबाबी के ग्रैंड सन फराज ने बताया कि करीब 100 साल के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है जब होटल चलाने के लिए ईंधन का इतना बड़ा संकट खड़ा हो गया है। गैस सिलेंडर के संकट से हम लोग काफी परेशान हैं। मजबूरी में कोयले का सहारा लेना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि दिक्कत यह है कि अब जो कारीगर हैं, वे नई पीढ़ी के हैं और उन्हें कोयले पर पराठा सेंकना या कबाब बनाना नहीं आता। ऐसे में अब पुराने कारीगरों को ढूंढना पड़ रहा है, जिन्हें कोयले पर खाना बनाने का अनुभव हो।

लखनऊ में मौसी बोलीं- बच्चे को करंट लगाया, शरीर पर चोट के निशान

'सौतेली मां ने चार साल के बेटे को पीटकर मार डाला'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । 'मेरे 4 साल के भांजे को उसके पिता भीष्म खरबंदा और सौतेली मां रागिनी ने मिलकर मार डाला। वे उसे अक्सर करंट लगाते थे। पीटते थे। अब दोनों ने उसे अपने रास्ते से हटा दिया। मैं और मां (बच्चे की नानी) जब भी उससे मिलने जाते थे, उसके शरीर पर नई चोट के निशान दिखते थे। इस बार तो उसे बाथरूम में ही पीटकर मार डाला।' ये कहना है, लखनऊ में 4 साल के मासूम अर्नव (गुग्गू) की मौसी काजल का। राजधानी के चौक इलाके में गुरुवार शाम 4 साल के अर्नव की मौत हो गई। बच्चे के शरीर पर कई जगह चोट और पिटाई के निशान मिले हैं। ननिहाल वालों ने उसके पिता और सौतेली मां पर टॉर्चर कर हत्या करने का आरोप लगाया। चौक पुलिस को इसके लिए लिखित शिकायत दी है।

मृतक की नानी सुधा के अनुसार, चौक के लाजपतनगर में भीष्म खरबंदा रहते हैं। करीब 5 साल पहले उनकी उन्नाव शुक्लागंज के सहजनगर की स्वाति कश्यप से शादी हुई। दोनों के एक लड़का हुआ। लकड़े के पैदा होने के कुछ ही महीने बाद स्वाति की मौत हो गई। हालांकि, मायके वालों का आरोप है कि भीष्म ने स्वाति को प्रताड़ित कर मार डाला था।

यह तस्वीर मृतक मासूम की मौसी काजल की है। उन्होंने पूरी दास्तां बताई।

बाथरूम में गिरकर मौत की सूचना दी

काजल ने बताया कि गुरुवार दोपहर करीब 4 बजे भीष्म की पत्नी रागिनी ने फोन कर सूचना दी कि अर्नव को दस्त और उल्टी हो रही थी और वह बाथरूम में गिर गया। जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर ननिहाल पक्ष मौके पर पहुंचा।

वहां पहुंचकर देखा कि अर्नव के माथे, बाईं कनपटी, सीने, हाथ और कॉलर के पास पिटाई के निशान हैं। इस वजह से करंट लगाकर हत्या की आशंका होने पर पुलिस को सूचना दी।

3 साल तक ननिहाल में रखा

बच्चे की मौसी काजल कश्यप ने बताया कि स्वाति की मौत के बाद उनका भांजा अर्नव उर्फ गुग्गू ननिहाल में ही रह रहा था। बहन की मौत के बाद भांजे को प्रताड़ित होने के डर से हम अपने साथ ही रखते थे। 3 साल तक ननिहाल में ही रहा। भीष्म ने वकील होने के चलते कोर्ट से यह आदेश कराने में सफल रहा कि अर्नव को अपने घर ले जाए। उसके बाद वह घर ले आया।

प्रदेश में आलू भंडारण की पर्याप्त व्यवस्था

आलू के विपणन को बढ़ावा देने के लिए मुरादाबाद में क्रेता-विक्रेता सम्मेलन आयोजित

- आलू उत्पादक किसानों, व्यापारियों और शीतगृह स्वामियों के साथ भंडारण व विपणन पर विस्तृत चर्चा
- सम्मेलन में प्रगतिशील किसानों व व्यापारियों को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने शुक्रवार को सर्किट हाउस, मुरादाबाद में आयोजित एक दिवसीय आलू क्रेता-विक्रेता सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। उद्यान विभाग, उत्तर प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश राज्य औद्यानिक सहकारी विपणन संघ (हाफेड), लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन में आलू उत्पादक किसानों, शीतगृह स्वामियों, व्यापारियों, निर्यातकों और प्रसंस्करण-कर्ताओं के साथ आलू के भण्डारण, बाजार मूल्य तथा विपणन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गयी। इस अवसर पर मुरादाबाद, अमरोहा, बिजनौर, रामपुर, सम्भल, बरेली, बदायूं, पीलीभीत, शाहजहांपुर, मेरठ, बागपत, बुलन्दश-हर, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, हापुड़, शामली, मुजफ्फरनगर एवं सहारनपुर सहित विभिन्न जनपदों से आए आलू उत्पादक कृषकों, शीतगृह स्वामियों एवं व्यापारियों ने सम्मेलन में भाग लिया।

सम्मेलन के दौरान किसानों और शीतगृह स्वामियों ने भण्डारण, विपणन, बीज प्रमाणीक-रण, प्रसंस्करण इकाइयों तथा बैंकिंग प्रक्रियाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों और सुझावों को भी मंत्री के समक्ष रखा, जिन पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम के अंत में मंत्री द्वारा 20 प्रगतिशील आलू उत्पादक किसानों, शीतगृह स्वामियों और व्यापारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की भी उपस्थिति रही तथा उपनिदेशक उद्यान, मुरादाबाद मंडल द्वारा कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए सम्मेलन के समापन की घोषणा की गयी।

आलू के भण्डारण और विपणन की समुचित व्यवस्था

उद्यान मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हित में आलू के भण्डारण और विपणन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है। इस वर्ष आलू उत्पादन के सापेक्ष शीतगृहों में पर्याप्त भण्डारण क्षमता उपलब्ध है और किसी भी किसान का आलू भण्डारण के अभाव में नहीं रुकेगा। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि वे अधिक से अधिक आलू शीतगृहों में सुरक्षित भण्डारित कर बेहतर बाजार मूल्य मिलने पर उसका विक्रय करें।

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस छात्र फंदे पर लटका

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ की इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में एमबीबी-एस फर्स्ट सेमेस्टर के छात्र ने फंदा लगाकर जान दे दी। छात्र का तीन दिन पहले रिजल्ट आया था, जिसमें कई पेपर में बैक लगा था। बैक को लेकर काफी परेशान था। जिसके चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

गोरखपुर बेलघाट निवासी राहुल कुमार विश्वास (22) इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस फर्स्ट ईयर के छात्र था। मौसेरे भाई कुंदन ने बताया कि तीन दिन पहले राहुल का रिजल्ट आया था। रिजल्ट में एक सब्जेक्ट छोड़कर सब में बैक आई थी। जिसे लेकर काफी परेशान था। गुरुवार को विश्वविद्यालय की तरफ से ऑनलाइन पैरेंट्स मीटिंग भी होनी थी। बुधवार रात करीब 8 बजे राहुल ने मां को कॉल कर ऑनलाइन पैरेंट्स मीटिंग के बारे में बताया था। इस पर मां और पिता राजकुमार ने परेशान न होने की बात कही थी। इस दौरान उसके रूममेट ने राहुल को मेस में खाना खाने के लिए चलने को कहा।

राहुल ने उसे भेजकर 10 मिनट बाद आने की बात कही। कुछ देर बाद जब वह वापस कमरे में लौटा तो दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक खटखटाने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला तो उसने वार्डन को सूचना दी।

वार्डन की मौजूदगी में दरवाजा तोड़ा गया तो राहुल कमरे के अंदर फंदे से लटका मिला।

- रिजल्ट में बैक आने से था परेशान, अगले दिन थी ऑनलाइन पैरेंट्स मीटिंग

हंगामा : लखनऊ में गुस्साए लोगों ने 3 को घेरा, आधे घंटे बंधक बनाकर रखा

महिला टीचर की कार से कुचलकर बच्चे की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज । लखनऊ में 8 साल के बच्चे की महिला टीचर की कार से कुचल कर मौत हो गई। घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने आरोपी टीचर और कार सवार 2 अन्य महिला टीचरों को घेर लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया। महिला टीचरों को अपने साथ थाने ले गई।

घटना आज शाम करीब 4:30 बजे मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के इमलियाखेड़ा खेड़ा गांव की है। मृतक की पहचान अर्जुन पुत्र टिंकल के रूप में हुई। वह सड़क के किनारे चल रहे भंडारे में प्रसाद खाने गया था। टिंकल मजदूरी करते हैं। अर्जुन 3 भाई-बहन में सबसे छोटा था। उससे बड़ा भाई करन और बहन पल्लवी है। मां कमलेश का रो-रोकर बुरा हाल है। अर्जुन के शव को सीएचसी मोहनलालगंज ले जाया गया। वहां परिजनों और ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। मां कमलेश पुलिसकर्मियों को पकड़ चीखने-चिल्लाने लगी। रिश्ते के बाबा सूरज ने बताया- अर्जुन स्कूल से आया था। स्कूल से आने के बाद भंडारा खाने गया था। मऊरावां की तरफ से कार तेज रफ्तार में चली आ रही थी। कार ने बच्चे को रौंद दिया। बच्चे के सिर में चोट आई। पसली टूट गई। मुंह से बहुत ज्यादा खून निकला।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शाम को अर्जुन सड़क के किनारे खड़ा था। इस दौरान तेज रफ्तार वैगनआर कार ने उसे कुचल दिया। बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर ग्रामीण जुट गए। ग्रामीणों ने कार चला रही महिला टीचर को पकड़ लिया। कार में 2 अन्य महिला टीचर भी सवार थीं। लोगों ने उन्हें भी घेरकर रोक लिया।

रायबरेली से लौट रही थीं तीनों महिला टीचर

पुलिस ने बताया कि तीनों महिला टीचर को लोगों से छुड़ाकर थाने ले जाया गया। पूछताछ में पता चला कि तीनों टीचर रायबरेली के स्कूल में पढ़ाती हैं। लखनऊ से कार से तीनों एक साथ स्कूल आती-जाती हैं। तीनों स्कूल से लौट रही थीं, इसी दौरान हादसा हो गया। पुलिस का कहना है कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तेलीबाग की रहने वाली है महिला टीचर

पुलिस ने बताया कि आरोपी टीचर की पहचान रेनू संजीव कुमार पुत्री राममूर्ति निवासी गांधीनगर नियर जीएस पब्लिक स्कूल तेलीबाग के रूप में हुई है। रेनू और कार को कब्जे में ले लिया है। बच्चे के परिजन सीएचसी मोहनलालगंज में हैं।

सपा अल्पसंख्यक सभा की इफ्तार पार्टी, अखिलेश यादव हुए शामिल

मुल्क में अमन-चैन और 2027 में सपा सरकार बनने की दुआ

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना इकबाल कादरी की ओर से शुक्रवार को लखनऊ में इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री Akhilesh Yadav और पार्टी के राष्ट्रीय सचिव Rajendra Chaudhary भी शामिल हुए।

इफ्तार पार्टी में विधायक Ravidas Mehrotra समेत शहर के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। अजान के साथ सभी रोजेदारों ने एक साथ रोजा इफ्तार किया। इफ्तार के बाद नमाज अदा की गई, जिसमें देश में अमन-चैन, खुशहाली और आपसी भाईचारे के लिए विशेष दुआ की गई। इस मौके पर 2027 के विधानसभा चुनाव में Akhilesh Yadav की जीत और उनके नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने की भी दुआ की गई। इफ्तार पार्टी में समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय महासचिव यामीन खान, स्वामी अप्रितानंदजी महंत, संत मंसा सिंह, मौलाना सैय्यद कलीम अशरफ सज्जादानसीन (जायस, अमेठी), मौलाना सैय्यद सिराजुद्दीन अशरफ (खानकाह-ए-अशरफिया किछौछा शरीफ), मौलाना सैय्यद अदनान अशरफ, मौलाना सैय्यद यजदानी अशरफा, हजरत मुफ्ती अबुल इरफान मियां फिरंगी महली, मौलाना अब्दुल्ला नदवी और मौलाना फरमान नदवी (इमाम नदवा) सहित कई धार्मिक व सामाजिक हस्तियां मौजूद रहीं।

शहजादपुर से रतनपुर तक अवैध निर्माण ध्वस्त, सड़क चौड़ीकरण का रास्ता साफ

अतिक्रमण हटाओ अभियान

कार्रवाई

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर । जिला मुख्यालय पर सुगम और सुरक्षित यातायात के लिए नगरपालिका और लोक निर्माण विभाग ने संयुक्त अभियान चलाकर सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाया। पुलिस बल की मौजूदगी में शहजादपुर से रतनपुर तक अवैध निर्माण को ध्वस्त कराया गया।

अभियान शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे शुरू हुआ। प्रशासनिक टीम चार बुलडोजर और पांच ट्रैक्टर-ट्रालियों के साथ पहितीपुर मार्ग पर पहुंची। कार्रवाई की शुरुआत शहजादपुर स्थित इलाहाबाद बैंक पहितीपुर मार्ग तिराहे से की गई। लोक निर्माण विभाग और नगरपालिका की ओर से नौ फरवरी को अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई थी। इस दौरान सड़क किनारे बनी दुकानों और मकानों को चिह्नित कर लाल निशान लगाए गए थे। संबंधित लोगों को नोटिस भी जारी किया गया था। प्रशासन के अनुसार सड़क किनारे चार से छह मीटर के दायरे में बने निर्माण को अतिक्रमण की श्रेणी में रखा गया। नोटिस के बाद भी अतिक्रमण न हटाने पर अभियान चलाकर कार्रवाई की गई। अधिशासी अधिकारी विशाल सारस्वत ने बताया कि अतिक्रमण करने वालों को पहले नोटिस और चेतावनी जारी की गई थी। इसके बाद ही यह अभियान चलाया गया है।

> अतिक्रमण हटाने के दौरान प्रशासन और पुलिस के कई अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। तहसीलदार संतोष कुमार, कोतवाल श्रीनिवास पांडेय, लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता अजय जायसवाल, अर्बन विशेषज्ञ रवि उपाध्याय और नगरपालिका की टीम ने अभियान का नेतृत्व किया। बड़ी संख्या में पुलिस बल भी तैनात रहा।

कई स्थानों पर हटाए गए निर्माण

अभियान के दौरान इंद्रलोक कॉलोनी, कृष्णा नगर, शाहजहांपुर और रतनपुर क्षेत्र में सड़क और फुटपाथ पर बने अवैध निर्माण हटाए गए। टीम ने छज्जे, टिनशेड और अन्य अस्थायी ढांचे को मशीनों की मदद से ध्वस्त कराया।

कुछ लोगों ने प्रशासन की कार्रवाई से पहले ही अपने स्तर पर अतिक्रमण हटा लिया था। वहीं कई स्थानों पर दुकानदारों ने मशीनें पहुंचने के बाद खुद ही छज्जे और टिनशेड हटाना शुरू कर दिया।

दुकानदारों में हलचल

अभियान शुरू होते ही इलाके में हलचल मच गई। कई दुकानदार अपने निर्माण को बचाने के लिए जल्दबाजी में छज्जे और टिनशेड हटाने में जुट गए। कुछ व्यापारियों ने प्रशासन से समय मांगते हुए खुद अतिक्रमण हटाने का आश्वासन भी दिया। ऐसे मामलों में प्रशासनिक टीम ने उन्हें चेतावनी देकर आगे की कार्रवाई जारी रखी।

फिलिस्तीन के समर्थन में सौंपा गया ज्ञापन

जिला प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति को भेजी गई मांगें

अलविदा जुमे की नमाज के बाद अकबरपुर में कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । अंतर्राष्ट्रीय कुद्स दिवस के अवसर पर अलविदा जुमे की नमाज के बाद अकबरपुर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने फिलिस्तीन के लोगों के समर्थन और विश्व में शांति व न्याय की स्थापना की मांग उठाई। इसके बाद जिला प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि कुद्स दिवस दुनिया भर में हो रहे अत्याचार और मानवाधिकारों के उल्लंघन के खिलाफ आवाज उठाने का प्रतीक है। उन्होंने फिलिस्तीन के नागरिकों की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने जिला प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में नौ बिंदुओं के जरिए अपनी मांगें रखी गईं। इसमें फिलिस्तीन के नागरिकों पर हो रहे अत्याचार रोकने, उनके मानवाधिकारों की रक्षा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न्याय दिलाने की मांग शामिल रही। इसके साथ ही भारत सरकार से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर फिलिस्तीन के अधिकारों के समर्थन में आवाज उठाने और मध्य पूर्व में शांति के लिए कूटनीतिक प्रयास करने की अपील की गई।

मस्जिदे अल-अक्सा की सुरक्षा पर उठी आवाज

सभा को संबोधित करते हुए मौलाना अकबर अली, मौलाना मीसम और रेहान जैदी ने कहा कि बैतुल मुकद्दस स्थित मस्जिदे अल-अक्सा की पवित्रता और स्वतंत्रता की रक्षा जरूरी है। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ठोस कदम उठाने की जरूरत बताई गई।

वक्ताओं ने कहा कि क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए वैश्विक स्तर पर प्रभावी पहल की जानी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान कुछ लोगों ने नारे भी लगाए।

फास्ट न्यूज

11वीं की छात्रा को ट्रक ने रौंदा

प्रयागराज । प्रयागराज में कोचिंग जा रही 11वीं की छात्रा को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया। छात्रा साइकिल के साथ करीब 25 फीट दूर तक घिसटती चली गई। इसके बाद कमर से ऊपर की बॉडी अलग-अलग हिस्सों में बंट गई। हादसे के बाद ड्राइवर ट्रक लेकर भागने लगा तो लोगों ने बाइक से पीछा करके करीब 200 मीटर दूर जाकर उसे पकड़ लिया। अपने को घिरता देखकर ड्राइवर ट्रक छोड़कर खेतों की ओर भागने लगा।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आरोपी को 10 साल की जेल

अंबेडकरनगर । मालीपुर थाना क्षेत्र में वर्ष 2016 में दर्ज नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाया है। विशेष पॉक्सो एक्ट न्यायालय ने मुख्य आरोपी विष्णु उपाध्याय को दोषी ठहराते हुए 10 वर्ष का सश्रम कारावास और 36 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। यह निर्णय सबूतों और गवाहों के आधार पर लिया गया। मामला उस समय थाना क्षेत्र के एक गांव की नाबालिग लड़की से जुड़े था। पुलिस ने मामले की जांच कर मुख्य आरोपी के खिलाफ पर्याप्त सबूत और गवाह न्यायालय में पेश किए।

घर में घुसकर चाची-भतीजे को गोली मारी

प्रयागराज । अलविदा की नमाज से पहले प्रयागराज में घर में घुसकर दंबगों ने ताबड़तोड़ गोलियां चला दी। गोली लगने से एक 45 साल की महिला और उसका 15 साल का भतीजे घायल हो गए। दोनों को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमलावर भी गांव के बताए जा रहे हैं। हमलावरों ने कहा- थाने में शिकायत की, कोई नहीं बचेगा।

ईसीसीई एजुकेटर भर्ती के लिए अभिलेख सत्यापन 18 मार्च को

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में ईसीसीई एजुकेटर के संविदा पदों पर भर्ती के लिए शैक्षिक अभिलेखों का सत्यापन 18 मार्च 2026 को किया जाएगा। यह प्रक्रिया विकास भवन सभागार में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। सेवा योजन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त आवेदनों में से 270 अभ्यर्थियों की सूची जारी की गई है, जिन्हें सत्यापन के लिए बुलाया गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार पटेल ने बताया कि जिले में कुल 90 ईसीसीई एजुकेटर की नियुक्ति आउटसोर्सिंग के माध्यम से संविदा पर की जानी है। इसके लिए पात्र अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि पर अभिलेख सत्यापन और काउंसलिंग के लिए उपस्थित होना होगा।

अभ्यर्थियों को अपने सभी शैक्षिक और व्यावसायिक अंक पत्र तथा प्रमाण पत्र मूल रूप में लाने होंगे। इसके साथ जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड और पैन कार्ड भी प्रस्तुत करना होगा। सभी दस्तावेजों की दो स्वप्रमाणित छायाप्रतियां भी साथ लानी होंगी। इसके अलावा दो नवीनतम पासपोर्ट साइज फोटो फाइल कवर में लगाकर लाने के निर्देश दिए गए हैं।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथि पर उपस्थित होना अनिवार्य है। यदि कोई अभ्यर्थी सत्यापन और काउंसलिंग में शामिल नहीं होता है, तो उसे दोबारा अवसर नहीं दिया जाएगा।

> विकास भवन सभागार में सुबह 10 बजे से शुरू होगी प्रक्रिया

सुरक्षा व्यवस्था का डीएम और एसपी ने लिया जायजा, पुलिस बल को किया ब्रीफ

अलविदा जुमे की नमाज अदा मस्जिदों में उमड़ी भीड़

> निरीक्षण के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने उन्हें सतर्क रहकर ड्यूटी करने और भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए कहा।

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । रमजान के आखिरी शुक्रवार को जिले में अलविदा जुमे की नमाज अदा की गई। इस मौके पर मस्जिदों में बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज पढ़ी। सुबह से ही शहर और आसपास के इलाकों की मस्जिदों में नमाजियों का पहुंचना शुरू हो गया था। नमाज के दौरान मुस्लिम समुदाय में खास उत्साह देखा गया। अकबरपुर सहित कई क्षेत्रों की मस्जिदों में नमाज शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। नमाज के दौरान लोगों ने देश और समाज में अमन-चैन की दुआ मांगी। मस्जिदों और आसपास के इलाकों में व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पहले से सक्रिय रहा। अलविदा जुमे की नमाज के दृष्टिगत जिला प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क रहा। डीएम और एसपी ने कोतवाली अकबरपुर क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने मस्जिदों के आसपास की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

प्रशासन ने की सुरक्षा की व्यापक व्यवस्था

अलविदा जुमे की नमाज को देखते हुए प्रशासन ने जिले में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। प्रमुख मस्जिदों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई। भीड़ को व्यवस्थित रखने और यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मी लगातार निगरानी करते रहे। नमाज के समय मस्जिदों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई। पुलिस और प्रशासन की टीम पूरे समय क्षेत्र में मौजूद रही। इससे नमाज का कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

> भ्रमण के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने आयोजकों और स्थानीय लोगों से भी बातचीत की। नमाज के दौरान शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सहयोग करने की अपील की गई। आयोजकों ने भी प्रशासन को पूरा सहयोग देने की बात कही।

एलपीजी सिलेंडर की किल्लत, इंडक्शन की एडवांस बुकिंग

वाराणसी । अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध का असर भारत में भी पड़ रहा है। पूरे देश में LPG गैस सिलेंडर की किल्लत होने लगी है। सामान्य व्यक्ति इससे प्रभावित हो रहा है। सिलेंडर न मिलने के कारण लोग अब उसका विकल्प तलाश रहे हैं।

वाराणसी में शोरूम व इलेक्ट्रानिक मार्केट में इंडक्शन खरीदने वालों की भीड़ बढ़ी है। इंडक्शन की डिमांड पिछले तीन-चार दिनों से हो हो रही है। जिस दुकान पर प्रतिदन चार-पांच इंडक्शन की बिक्री हो रही थी वहां अब 18 से 20 इंडक्शन प्रतिदिन बिक रहे हैं। इसकी डिमांड ज्यादा बढ़ने के कारण अब स्टाक खत्म होने लगा है। दुकानदार लखनऊ में संपर्क कर रहे हैं लेकिन वहां भी आसानी से नहीं मिल पा रहा है। शैल सिंह ने कहा, युद्ध कितने चलेगा यह कुछ पता नहीं है। ऐसी स्थिति में गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। इसलिए पहली बार अपने किचेन में इंडक्शन रखने जा रही हूं।

इनामीपुर फ्लाईओवर के पास भूमि पूजन के साथ परियोजना की शुरुआत

टांडा में बनेगा नया होटल अनुग्रह पैलेस का निर्माण

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में पर्यटन और स्थानीय उद्योग को बढ़ावा देने की दिशा में एक नई पहल शुरू हुई है। टांडा क्षेत्र में आजमगढ़ हाईवे पर इनामीपुर फ्लाईओवर के पास प्रस्तावित होटल अनुग्रह पैलेस का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। महिला उद्यमी दीपशिखा द्वारा प्रस्तावित इस होटल के लिए पर्यटन विभाग की ओर से टूरिज्म सर्टिफिकेट भी जारी किया गया है।

होटल निर्माण का शुभारंभ बृहस्पतिवार को जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने भूमि पूजन कर किया। यह परियोजना उत्तर प्रदेश सरकार की पर्यटन नीति के तहत विकसित की जा रही है। राज्य सरकार की पर्यटन नीति के तहत होटल उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रकार की सुविधाएं दी जाती हैं। इस योजना में परियोजना लागत पर 25 प्रतिशत तक सब्सिडी का प्रावधान है।

महिला उद्यमियों को इस सब्सिडी में अतिरिक्त पांच प्रतिशत की छूट मिलती है। इसके अलावा सोलर लाइट की व्यवस्था, जमीन की खरीद और अन्य प्रक्रियाओं में भी कई तरह की रियायतें दी जाती हैं। इससे नए निवेशकों को पर्यटन क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रोत्साहन मिलता है। उन्होंने कहा कि इस तरह की योजनाएं जिले की आर्थिक गतिविधियों को मजबूत करने में सहायक साबित होंगी। प्रशासन की ओर से भी निवेश और पर्यटन से जुड़े प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

दो करोड़ से अधिक की लागत से होगा निर्माण

प्रस्तावित होटल अनुग्रह पैलेस के निर्माण पर दो करोड़ रुपये से अधिक की लागत आने का अनुमान है। होटल में यात्रियों और पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। परियोजना से क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। निर्माण कार्य शुरू हो चुका है और इसे लगभग छह महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रशासन का कहना है कि इस तरह की परियोजनाएं जिले में निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ाने में मदद करेंगी।

> जिला पंचायत अध्यक्ष साधू वर्मा ने कहा कि जिले में पर्यटन से जुड़ी परियोजनाएं शुरू होना सकारात्मक संकेत है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और आसपास के क्षेत्रों के विकास को भी गति मिलेगी।

कारागार में निरुद्ध होने के बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने की कार्रवाई

सहायक अध्यापक निलंबित

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर शिक्षा क्षेत्र के कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय सुलहनतारा में तैनात सहायक अध्यापक राम आशीष को निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई उनके 11 मार्च 2026 को अंबेडकरनगर जिला कारागार में निरुद्ध होने के बाद की गई।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार पटेल ने बताया कि खंड शिक्षा अधिकारी, अकबरपुर की रिपोर्ट के आधार पर राम आशीष को प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। उन्हें उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद कर्मचारी वर्ग नियमावली-1973 और उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-1999 के नियम 4 एवं 2 के तहत यह सजा दी गई है। इस मामले में खंड शिक्षा अधिकारी, मुख्यालय को पदेन जांच अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। जांच अधिकारी इस मामले की गहन और निष्पक्ष जांच करेंगे और आगे की कार्रवाई की रिपोर्ट जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को प्रस्तुत करेंगे।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी शिक्षक और कर्मचारियों के लिए अनुशासन बनाए रखना आवश्यक है। किसी भी तरह के अनुचित व्यवहार या कानून का उल्लंघन अनुशासनात्मक कार्रवाई का कारण बन सकता है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि नियमों का उल्लंघन किसी भी हालत में स्वीकार्य नहीं है। निलंबन का उद्देश्य केवल जांच पूरी होने तक व्यवस्था बनाए रखना है और शिक्षक समुदाय में अनुशासन सुनिश्चित करना है।

निलंबन अवधि और जिम्मेदारी

निलंबन की अवधि के दौरान राम आशीष को अकबरपुर शिक्षा क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय मानिकपुर बसिरहा से संबद्ध किया गया है। उन्हें जीवन निर्वाह भत्ता केवल तभी मिलेगा जब वे प्रमाण प्रस्तुत करेंगे कि वे किसी अन्य सेवायोजन, व्यापार, वृत्ति या व्यवसाय में संलग्न नहीं हैं।

पुलिस कार्यालय में एसपी ने सुनी लोगों की समस्याएं

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने शुक्रवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई की। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे।

जनसुनवाई के दौरान फरियादियों ने जमीन विवाद, मारपीट, आपसी विवाद और अन्य मामलों से जुड़ी शिकायतें पुलिस अधीक्षक के सामने रखीं। पुलिस अधीक्षक ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए। उन्होंने संबंधित थाना प्रभारियों और अधिकारियों को मामलों की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायतों के निस्तारण में अनावश्यक देरी न हो और पीड़ितों को समय पर न्याय मिले। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने को कहा गया।

> जनसुनवाई में अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

निर्देश : मनरेगा, राज्य वित्त और आईसीडीएस के अभिसरण से तैयार हुए सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र

अकबरपुर विकास खंड में सात आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । जिला प्रशासन के प्रयासों से विकास खंड अकबरपुर में सात नए आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कराया गया है। इन केंद्रों को सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। यह जानकारी मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने दी। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में इन आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण मनरेगा, राज्य वित्त और आईसीडीएस के अभिसरण से कराया गया। निर्माण कार्य के साथ ही इन केंद्रों को बेहतर सुविधाओं से जोड़ने के लिए अलग-अलग विभागों को जिम्मेदारी दी गई है।

अभियान के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों के परिसर में पोषण वाटिका और बाला पेंटिंग का कार्य कराया जा रहा है। यह जिम्मेदारी पंचायती-राज विभाग को दी गई है। इसके अलावा केंद्रों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था भी की जा रही है। रेन वाटर हार्वेस्टिंग का कार्य लघु सिंचाई विभाग द्वारा कराया जा रहा है। इससे वर्षा जल के संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और परिसर में जल प्रबंधन बेहतर होगा। जिलाधिकारी के निर्देश पर कार्यों की लगातार निगरानी की जा रही है। इसके लिए बाल विकास परियोजना अधिकारियों और खंड विकास अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण किया जा रहा है, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित हो सके। प्रशासन का उद्देश्य है कि सभी आंगनबाड़ी केंद्र तय समय के भीतर पूरी तरह से तैयार हो जाएं।

> जिला प्रशासन के अनुसार, इन केंद्रों के विकसित होने से क्षेत्र में आंगनबाड़ी सेवाओं को मजबूत करने में मदद मिलेगी। साथ ही बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं में भी सुधार होगा।

प्राथमिकता के आधार पर पूरे हो रहे कार्य

जिला प्रशासन की ओर से सभी संबंधित विभागों को कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए अभियान चलाकर काम कराया जा रहा है। विभागों द्वारा प्राथमिकता के आधार पर निर्माण और अन्य कार्यों को पूरा किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इन आंगनबाड़ी केंद्रों के तैयार होने से बच्चों और महिलाओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। साथ ही केंद्रों का उपयोग पोषण और स्वास्थ्य से जुड़ी गतिविधियों के लिए भी किया जाएगा।

उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा से पहले स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। आगामी उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा को सकुशल, नकलविहीन और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने की तैयारी शुरू हो गई है। इसी क्रम में एएसपी पश्चिमी हरेंद्र कुमार ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों और संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली। परीक्षा से जुड़े संवेदनशील दस्तावेजों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। एएसपी पश्चिमी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। परिसर में चौबीस घंटे निगरानी सुनिश्चित की जाए। आने-जाने वाले लोगों पर भी कड़ी नजर रखने को कहा गया।

उन्होंने कहा कि परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं। इसके लिए संबंधित विभागों के बीच समन्वय बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। पुलिस प्रशासन की ओर से परीक्षा को शांतिपूर्ण तरीके से कराने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा मानकों का पालन करने और नियमित निगरानी रखने को कहा गया।

> एएसपी पश्चिमी ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर दिए निर्देश

सम्पादकीय

सरकार के हाथ मजबूत करे निजी क्षेत्र

जहां एक तरफ कई देशों में वृद्ध आबादी बढ़ती जा रही है और जापान तथा इटली जैसे देश घटती जन्म दर से जूझ रहे हैं, वहीं दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में कामकाजी उम्र के लोगों की जनसंख्या बरकरार है। आज भारत में दो-तिहाई लोग 35 साल से कम उम्र के हैं। देश की सबसे बड़ी ताकत देश के युवा हैं। युवा संभावनाशील शक्ति बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड और राजस्थान जैसे राज्यों में यह स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। जरूरत है इस ऊर्जा को सही दिशा देकर एक मजबूत आर्थिक ताकत में रूपांतरित किया जाए।

वित्त वर्ष 2026-27 के लिए गत दिनों संसद में पेश केंद्रीय बजट में युवाओं को सिर्फ 'भविष्य' नहीं कहा गया, बल्कि उन्हें वर्तमान में 'भविष्य का निर्माणकर्ता' माना गया है। इन भविष्य के निर्माताओं को सफल बनाने के लिए जरूरी है कि उनके लिए अवसरों की ऐसी सीढ़ी तैयार की जाए, जिससे वे अपनी रुचियों और कौशल का सही उपयोग कर नई ऊंचाइयां छू सकें। युवा जनसांख्यिकी के लिए पढ़ाई और रोजगार का ऐसा परिवेश तैयार करना होगा, जो उन्हीं की तरह विविध, बहुआयामी और गतिशील हो। जमीनी वास्तविकताओं और अंतर क्षेत्रीय जटिलताओं को समझते हुए सरकार ने बजट में प्रतिभाओं में निवेश को प्राथमिकता दी है। पिछले कुछ वर्षों में ऐसी योजनाएं शुरू की गईं, जिन्होंने चुनिंदा क्षेत्रों में प्रशिक्षण को उद्योग के साथ जोड़ा और इस साझेदारी से कौशल अंतर को पाटने की कोशिश की। बजट इन योजनाओं को और विस्तार तो देता ही है, साथ ही नए अवसरों की घोषणा भी करता है।

भारत की विशिष्टताओं को ध्यान में रख कर देखें तो बजट युवा-केंद्रित प्राथमिकताओं को उकेरता है। भारत की डिजिटल क्षमता उसकी पहली बड़ी ताकत है। भारत तेजी से मोबाइल-आधारित क्रिएटर इकोनमी बन रहा है। आज युवा सिर्फ कंटेंट देखना नहीं चाहते, वे कंटेंट बनाना भी चाहते हैं। डिजिटल क्षेत्र में प्रभाव बढ़ाने के लिए हमें डिजिटल माडल्स को सीखने पर जोर देना होगा। रचनात्मक क्षेत्रों में विकास को ध्यान में रख कर बजट में 15,000 स्कूलों और 500 कालेजों में एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कामिक्स के लिए कंटेंट क्रिएटर लैब बनाने का प्रस्ताव है। इन लैब्स के जरिये युवा तकनीक का बेहतर इस्तेमाल करना सीखेंगे जिससे उनकी रचनात्मक आकांक्षाओं को सही औपचारिक स्वरूप मिलेगा और वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने लायक कौशल विकसित कर पाएंगे। दूसरा अहम स्तंभ है उद्यमिता।

भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम तेजी से छोटे शहरों और सुदूर क्षेत्रों तक विस्तार पा रहा है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के आवंटन में 62 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी इसका प्रमाण है कि सरकार भविष्य के लिए सही कौशल से लैस सक्रिय कार्यबल बनाने को लेकर गंभीर है।

बजट में टियर-2 और टियर-3 शहरों में इकोनमिक रीजन विकसित करने की बात कही गई है। उद्यमिता और आर्थिक विकास को साथ जोड़ते हुए बात ऐसे शहरों की हो रही है, जहां रोजगार के विकल्पों के साथ-साथ बेहतर जीवन की आशा भी है। घर के पास अच्छे अवसर मिलने से बड़े शहरों की तरफ युवाओं का पलायन कम होगा और देश में संतुलित विकास हो सकेगा। तीसरा और अत्यंत महत्वपूर्ण स्तंभ है हमारे उच्च शिक्षा संस्थान, जो देश के लिए एक सशक्त भविष्य की नींव रख सकते हैं और जिनकी भूमिका आने वाले दिनों में और भी महत्वपूर्ण हो जाएगी।

एजुकेशन टू एंप्लायमेंट एंड एंटरप्राइज नामक एक स्थायी समिति बनाने का जो प्रस्ताव रखा गया है, उसका उद्देश्य है उच्च शिक्षा को रोजगार से जोड़ना, जिससे केवल डिग्री प्राप्त नहीं होगी, बल्कि काम करने का कौशल भी विकसित होगा। साथ ही पांच यूनिवर्सिटी टाउनशिप बनाने की योजना भी रखी गई है। ये टाउनशिप्स संपूर्ण शिक्षा का केंद्र होंगी।

ममता आर पार की लड़ाई के मूड में !

पिछले विधानसभा चुनाव में ममता ने खुद को धर्मनिष्ठ हिंदू के रूप में पेश करने के लिए मंच से चंडी मठ का पाठ किया था। इस बार भी ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि वह चुनाव से पहले सिलीगुड़ी में दुर्गा आंगन और महाकाल मंदिर निर्माण की घोषणा करेंगी।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हाल ही में जिस तरह पांच दिनों तक धरना देकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ नौटंकी की। उसको अंततः बिना किसी ठोस परिणाम के ही समाप्त होना था और वही हुआ। यह धरना केवल एक राजनीतिक स्टंट भर नहीं था, बल्कि इसने राज्य की तृणमूल सरकार को भी सवालों के कठघरे में ला दिया है। पांच दिन तक चले इस धरने को तृणमूल कांग्रेस ने अचानक खत्म कर दिया तो स्वाभाविक रूप से राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे राजनीतिक नौटंकी करार दिया है। सवाल यह भी उठता है कि SIR को लेकर दिए इस धरने को बिना किसी परिणाम के ही खत्म करना था, तो फिर इतने दिन यह प्रपंच क्यों किया गया? दरअसल, ममता बनर्जी की अनावश्यक अड़ंगेबाजी के चलते लगातार हो रही देरी और राज्य सरकार तथा चुनाव आयोग के बीच टकराव ने एक नई बहस को जन्म दिया है। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा भी तेज हो गई है कि यदि समय पर मतदाता सूची को अंतिम रूप नहीं दिया गया, तो विधानसभा चुनाव कराने में कठिनाई हो सकती है। ऐसी स्थिति में संविधान के प्रावधानों के तहत राष्ट्रपति शासन की संभावना को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि यह अभी केवल राजनीतिक चर्चा का विषय है, लेकिन इससे राज्य की राजनीति में अस्थिरता की झलक जरूर मिलती है। इस सब के बावजूद ममता चुप नहीं हो रही है । ताजा समाचारों के अनुसार भारत के इतिहास में यह पहली बार देखने को मिल रहा है, जब मुख्य निर्वाचन अधिकारी ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी हो रही है। विपक्ष ने इसकी पूरी तैयारी कर ली है, मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ महाभियोग नोटिस पर 193 सांसदों के साइन हो चुके हैं। संसद के किसी एक सदन में आज विपक्ष नोटिस दे सकता है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ये प्रस्ताव लेकर आ रही हैं, जिसका कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी पार्टियां समर्थन कर रही हैं। आखिर, ममता बनर्जी क्यों मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ महाभियोग नोटिस ला रही हैं? दरअसल, पश्चिम बंगाल की राजनीति पिछले डेढ़ दशक से केवल सत्ता परिवर्तन या चुनावी संघर्ष की कहानी नहीं रही है। 2011 में ममता बनर्जी के सत्ता में आने के बाद राज्य की राजनीति एक ऐसे दौर में दाख़िल हुई, जहां राज्य सरकार, राज्यपाल, न्यायपालिका और केंद्र सभी के बीच संबंध अक्सर तनावपूर्ण रहे। इसी कारण ममता बनर्जी के शासनकाल में कई बार ऐसा माहौल बना जब यह प्रश्न राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बना कि क्या पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है? हालांकि अब तक यह आशंका कभी वास्तविकता में नहीं बदली, लेकिन इसके पीछे की परिस्थितियां और टकराव बंगाल की समकालीन राजनीति को समझने के लिए अहम हैं। फ़िलहाल पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तृणमूल कांग्रेस की राजनीतिक सलाहकार आई-पैक के कोलकाता कार्यालय पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापे की कड़ी निंदा की। ममता बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा तृणमूल कांग्रेस के आईटी सेल के प्रमुख और तृणमूल कांग्रेस के आईटी सेल के प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर छापा मारकर उनकी पार्टी के आंतरिक डेटा को जब्त करने की कोशिश कर रही है। जब ईडी ने कार्यालय पर छापा मारा तो ममता नाराज हो गईं। यह संभवतः पहली बार है जब किसी मुख्यमंत्री ने ईडी के छापे के विरोध में व्यक्तिगत रूप से किसी सलाहकार निकाय के कार्यालय का दौरा किया है। पार्टी के सांसदों ने दिल्ली में भी विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारियों को इन आरोपों के खिलाफ विरोध करने का अधिकार होना चाहिए कि जांच तंत्र निष्पक्ष नहीं है; ईडी ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार को भी नोटिस जारी किया था, जिन्होंने उन्हें बिना किसी आक्रामकता के ईडी कार्यालय में आने की चुनौती दी थी।रॉबर्ट वाड्रा से ईडी कई बार पूछताछ कर चुकी है। उन्हें घंटों बैठाया गया; लेकिन उनमें से किसी ने भी आक्रामक तरीके से काम नहीं किया। इस पृष्ठभूमि में, यह ममता ही हैं जो सत्ता में होने के बाद भी मार्च निकालती हैं, जिसे तात्कालिकता की राजनीति कहा जाता है। पश्चिम बंगाल की राजनीति पर एक नज़र डालने से पता चलता है कि कांग्रेस पिछले पचास वर्षों में पहले की तरह सत्ता में नहीं आई है; लेकिन वामपंथियों ने कांग्रेस को सत्ता से छीन लिया और ममता ने वाम की सत्ता को चकनाचूर कर दिया। पिछले 15 वर्षों में, कांग्रेस और वाम कमजोर हो गए हैं और उनकी जगह भाजपा ने ले ली है। कांग्रेस अब शून्य पर है और 34 वर्षों तक शासन करने वाला वाम मोर्चा पिछले विधानसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत सका। इसके विपरीत, भाजपा 41 प्रतिशत वोट और 77 सीटों के साथ मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी, हालांकि 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा की संख्या 2019 की तुलना में कम थी। हालांकि, उनके 39 प्रतिशत वोट शेयर और 12 सीटें दर्शाती हैं कि उनके पास राज्य में तृणमूल कांग्रेस का एक मजबूत विकल्प है। ममता को शुरू में पश्चिम बंगाल में मुस्लिम वोट का समर्थन मिला था, जिसमें 29 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता हैं। ममता यह जानते हुए कि वह अकेले मुस्लिम वोटों के आधार पर नहीं चुनी जा सकती हैं, उन्होंने हिंदू वोट के लिए तुष्टिकरण की राजनीति का सहारा लिया। इस साल के विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने के भाजपा के दावे को अतिशयोक्ति के रूप में खारिज नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 2021 का चुनाव उसी आत्मविश्वास के साथ लड़ा था, जो तृणमूल कांग्रेस से पीछे रह गया था। पश्चिम बंगाल में 2021 की तुलना में राजनीतिक माहौल काफी बदल गया है। पड़ोसी बांग्लादेश की घटनाओं ने पूरे देश को प्रभावित किया। प्रभावित। पश्चिम बंगाल में लगभग 29 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता तृणमूल कांग्रेस की ताकत हैं और भाजपा विरोधी, वामपंथी मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा तृणमूल कांग्रेस की ताकत है।

अशोक भाटिया

चौथी कक्षा के छात्रों...

राजेश जैन

डिजिटल एजुकेशन के अगुआ देश लौट रहे किताबों की ओर

दुनिया एक ऐसे दौर से गुजर रही है जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल प्लेटफॉर्म और इंटरनेट ने जीवन के लगभग हर क्षेत्र को बदल दिया है। शिक्षा भी इससे अछूती नहीं रही। गत डेढ़ दशक में स्कूलों और विश्वविद्यालयों में टैबलेट, लैपटॉप, स्मार्ट क्लासरूम और ऑनलाइन कंटेंट को आधुनिक शिक्षा का पर्याय मान लिया गया। यह माना गया कि अगर बच्चों को बचपन से ही डिजिटल माध्यमों से पढ़ाया जाएगा तो वे भविष्य की टेक्नोलॉजी आधारित दुनिया के लिए बेहतर तैयार होंगे। लेकिन अब एक दिलचस्प मोड़ सामने आ रहा है। जिस डिजिटल शिक्षा मॉडल को दुनिया भविष्य मान रही थी, वही मॉडल अब कई देशों में पुनर्मूल्यांकन के दौर से गुजर रहा है। दुनिया की सबसे अधिक डिजिटल शिक्षा प्रणालियों में गिने जाने वाले स्वीडन और फिनलैंड जैसे देश फिर से किताब, कागज और पेन की ओर लौट रहे हैं। कई देशों में स्कूलों के भीतर मोबाइल फोन और टैबलेट के उपयोग को सीमित या प्रतिबंधित किया जा रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि पिछले कुछ वर्षों में सामने आए शोध, अनुभव और सीखने के परिणामों ने शिक्षा नीति निर्माताओं को सोचने पर मजबूर किया है। करीब 15 साल पहले दुनिया के कई विकसित देशों ने शिक्षा के डिजिटल भविष्य की परिकल्पना की। इस सोच के पीछे कई तर्क थे। पहला, तकनीक से पढ़ाई को अधिक रोचक और इंटरैक्टिव बनाया जा सकता है। दूसरा, इंटरनेट के माध्यम से बच्चों को वैश्विक ज्ञान तक तुरंत पहुंच मिल सकती है। तीसरा, डिजिटल उपकरणों के जरिए शिक्षा को अधिक व्यक्तिगत यानी पर्सनलाइज लर्निंग बनाया जा सकता है। स्वीडन उन देशों में था जिसने सबसे पहले स्कूलों में डिजिटल माध्यमों को बड़े पैमाने पर अपनाया। 2009 के आसपास वहां के स्कूलों में टैबलेट और कंप्यूटर को पाठ्यपुस्तकों का विकल्प बनाने की शुरुआत हुई। धीरे-धीरे कई स्कूलों में किताबों की जगह डिजिटल उपकरणों ने ले ली। स्मार्ट बोर्ड, ऑनलाइन सामग्री और डिजिटल असाइनमेंट को आधुनिक शिक्षा का प्रतीक माना जाने लगा। फिनलैंड, जो अपनी शिक्षा प्रणाली के लिए दुनिया में सबसे अधिक प्रशंसित देशों में से एक है, वहां भी स्कूलों में डिजिटल उपकरणों को बड़े उत्साह के साथ अपनाया गया। कई जगह छात्रों को मुफ्त लैपटॉप दिए गए और पढ़ाई का बड़ा हिस्सा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरित कर दिया गया। उस समय यह मॉडल इतना आकर्षक लगा कि दुनिया के कई देशों ने इसे अपनाने की कोशिश की। भारत में भी डिजिटल क्लासरूम और स्मार्ट एजुकेशन जैसे शब्द शिक्षा सुधार के प्रमुख नारे बन गए। जब डिजिटल मॉडल पर उठने लगे सवाल लगभग एक दशक तक डिजिटल शिक्षा के प्रयोग के बाद कुछ समस्याएं धीरे-धीरे सामने आने लगीं। शिक्षकों, अभिभावकों और शोधकर्ताओं ने पाया कि तकनीक ने पढ़ाई को आसान तो बनाया है लेकिन कई बुनियादी कौशल कमजोर भी कर दिए हैं। स्वीडन में किए गए अध्ययनों में पाया गया कि स्क्रीन पर पढ़ने वाले छात्रों की एकाग्रता और गहराई से समझने की क्षमता कम हो रही है। चौथी कक्षा के छात्रों की पढ़ने की क्षमता का आकलन करने वाले अंतरराष्ट्रीय अध्ययन प्रोग्रेस इन इंटरनेशनल रीडिंग लिटरेसी स्टडी में 2016 और 2021 के बीच स्वीडन के बच्चों के पढ़ने के स्कोर में गिरावट दर्ज की गई। शिक्षाविदों ने देखा कि जब बच्चे टैबलेट या लैपटॉप पर पढ़ते हैं तो उनका ध्यान जल्दी भटकता है। एक क्लिक में गेम, सोशल मीडिया या अन्य वेबसाइटों तक पहुंच उन्हें पढ़ाई से दूर कर देती है। डिजिटल उपकरण पढ़ाई के साथ-साथ मनोरंजन का भी माध्यम हैं, इसलिए उनमें विचलन की संभावना अधिक होती है। फिनलैंड के शिक्षकों ने भी यही अनुभव साझा किया कई शिक्षकों ने बताया कि डिजिटल उपकरणों के कारण छात्रों का ध्यान बार-बार भटक जाता है। बच्चे असाइनमेंट जल्दी खत्म कर लेते हैं ताकि वे गेम खेल सकें या सोशल मीडिया पर जा सकें। डिजिटल शिक्षा पर सवाल उठने के पीछे सबसे बड़ा कारण बच्चों के मस्तिष्क और व्यवहार पर स्क्रीन के प्रभाव को लेकर बढ़ती चिंता है। नॉर्वे और अमेरिका के कई शोध बताते हैं कि जब बच्चे हाथ से लिखते हैं तो उनके मस्तिष्क के कई हिस्से एक साथ सक्रिय होते हैं। अक्षर बनाने की प्रक्रिया, उंगलियों का दबाव और लिखावट की संरचना दिमाग में मजबूत स्मृति चिन्ह (मेमोरी ट्रेस) बनाते हैं। इसके विपरीत, कीबोर्ड पर टाइपिंग अपेक्षाकृत एक यांत्रिक प्रक्रिया है। इसमें मस्तिष्क जानकारी को उतनी गहराई से प्रोसेस नहीं करता।

बीते 13 वर्षों...

डॉ. रमेश ठाकुर

भारतीय सभ्यता में 'इच्छामृत्यु' सदैव अस्वीकार?

इच्छामृत्यु पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी पहली समहति देकर जनमानस में नई किस्म की बहस को जन्म दे दिया है। बहस ऐसी है जिसमें सिर्फ भावनाओं का सैलाब उमड़ा हुआ है। गाजियाबाद निवासी 32 वर्षीय हरीश राणा की इच्छामृत्यु पर दिए सुप्रीम कोर्ट का निर्णय एक ऐसा भावनात्मक फैसला है जो भारतीय न्याय व्यवस्था के इतिहास में पहली मर्तबा लिया गया। कोर्ट के आदेशानुसार इच्छा मृत्यु पर सभी प्रक्रियाएं बेशक मानवीय ढंग से और चिकित्सीय निगरान में होंगी लेकिन फैसला देने वाली पीठ के जस्टिस जेबी परदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन खुद भी भावुक हो गए। उन्होंने स्वीकारा कि ये निर्णय देना उनके लिए बहुत कठिन था पर उन्हें अपने फैसले के जरिए एक व्यक्ति को उनके निष्क्रिय शरीर से होती अंतन पीड़ा से मुक्ति भी दिलवाना था जिसका उन्होंने कानूनी मर्यादयों में रहकर अपना फर्ज निभाया। ये मामला अगस्त 2024 में दिल्ली हाईकोर्ट से खारिज होकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था लेकिन यहां भी जजों की एकमत राय नहीं थी। काफी विमर्श के बाद शीर्ष कोर्ट ने 'मेडिकल बोर्ड' को गठित' करने का आदेश दिया। बोर्ड की जब रिपोर्ट पहुंची जिसमें चिकित्सकों ने बताया कि हरीश का शरीर शत-प्रति-शत निष्क्रिय हो चुका है इसलिए वह इच्छामृत्यु का हकदार है। फिलहाल, इच्छामृत्यु पर सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय ने जीवन के असमय अंत की चाहत पर समकालीन स्वास्थ्य देखभाल में ऐसी प्रथाओं की भूमिका पर अनोखी बहस को छेड़ा है जिसकी चर्चा लंबे समय तक होगी। यह बहस सभ्य समाज के कानूनी, नैतिक, मानवाधिकार, स्वास्थ्य, धार्मिक, आर्थिक, आध्यात्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जटिलताओं और गतिशील पहलुओं को भी सोचने पर विवश करेगी। गौरतलब है, इच्छामृत्यु शब्द की उत्पत्ति भारत में नहीं, ग्रीस में हुई थी जिसका अर्थ होता है एक सुखद मृत्यु? कानून में जीवन का अधिकार' अनुच्छेद 21 में निहित है जो एक प्राकृतिक अधिकार भी लेकिन आत्महत्या जीवन का अप्राकृतिक अंत है और इसलिए 'जीवन के अधिकार' की अवधारणा के साथ असंगत और विरोधाभासी भी है। भारत में आत्महत्या गैरकानूनी होने के बावजूद भी नहीं रूकती लेकिन इच्छामृत्यु का नाम सुनकर न सिर्फ रोंगटे खड़े होते हैं बल्कि भावनाओं का समुद्र हिचकौले मारने लगता है। समूचे विश्व में भारतीय सभ्यता सदैव से उदारवादी मानी गई है। इस लिहाज से कोई भी व्यक्ति किसी को मरने के लिए नहीं बोल सकता? लेकिन हरीश राणा का मामला सबसे इतर है। बीते 13 वर्षों से उनके दर्द भरे जीवन को और लंबा खींचा जा रहा है।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

जयसिंह रावत

आखिर उत्तराखण्ड की राजधानी है कहां ?

चमोली जिले में स्थित भराड़ीसैण (गैरसैण) में जब भी दो - तीन दिनों के लिये उत्तराखण्ड विधानसभा का सत्र चलता है तो सीमान्त हिमालयी प्रदेश उत्तराखण्ड की स्थाई राजधानी का मुद्दा फिर गरमा जाता है। नवम्बर 2000 से लेकर अब तक राज्य गठन के 25 साल हो गये लेकिन राज्य की राजधानी का मुद्दा अभी तक न तो सुलझ पाया और न ही निकट भविष्य में सुलझने के आसार नजर आ रहे हैं। भाजपा की सरकार ने राजधानी के विवाद को सुलझाने के लिये भराड़ीसैण को ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित तो कर दिया मगर विपक्षी राजनीतिक दल तो रहे दूर यह घोषणा राज्य की मांग को लेकर एक अभूतपूर्व आन्दोलन चलाने वाले लागों के गले भी नहीं उतरी। उतरती भी कैसे ? किसी एक स्थान पर महज कुछ दिन विधानसभा सत्र आहूत करने से वह स्थान राजधानी नहीं हो जाता ! अगर लोग भराड़ीसैण को ग्रीष्मकालीन राजधानी मान भी लें तो शीतकालीन या स्थाई राजधानी का जवाब अनुत्तरित है। जिस भराड़ीसैण को ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित किया गया है वहां छह साल में केवल एक बार ग्रीष्मकालीन सत्र हुआ और वह भी बहुत संक्षिप्त। नवम्बर 2000 में बने तीन नये राज्यों में से उत्तराखण्ड अकेला राज्य है जिसकी राजधानी आज तक तय नहीं हो पायी। इसके लिये कोई और नहीं बल्कि उत्तराखण्ड का अपना राजनीतिक तंत्र जिम्मेदार रहा है जो कि राज्य गठन से लेकर अब तक राजधानी को लेकर एक राय नहीं हो सका। जब संसद में उत्तर प्रदेश पुनर्गठन विधेयक पास हो गया था तो उसी समय से राजधानी की तलाश शुरू हो गयी थी लेकिन उस समय जब विधायकों और सांसदों में राजधानी को लेकर गढ़वाल और कुमाऊं के बीच रस्साकस्सी होने लगी तो तत्कालीन बाजपेयी सरकार ने यह मुद्दा उत्तराखण्ड के लागों पर ही छोड़ दिया और तात्कालिक ढांचागत सुविधाओं को देखते हुये देहरादून को अस्थाई राजधानी घोषित करने के साथ ही कुमाऊं के लोगों को संतुष्ट करने के लिये नैनीताल को हाइकोर्ट दे दिया। आज ये दोनों शहर अपनी सीमित धारण क्षमता के कारण राजधानी और हाइकोर्ट के बोझ तले कुचले जा रहे हैं। दोनों ही भूगर्भीय दृष्टि से अति संवेदनशील है। नैनीताल की विकट स्थिति को देखते हुये स्वयं हाइकोर्ट को अपने लिये कोई नयी जगह तलाशने के आदेश देने पड़े। चूंकि केन्द्र सरकार ने राजधानी के चयन की जिम्मेदारी स्वयं उत्तराखण्ड (उत्तरांचल) सरकार पर छोड़ी हुयी थी इसलिये पहली नित्यानन्द स्वामी सरकार ने इसके लिये दीक्षित आयोग का गठन कर डाला जिसे 6 माह के अन्दर अपनी सिफारिश देनी थी लेकिन आयोग उत्तराखण्ड की राजनीति से अपरिचित नहीं था, इसलिये उसने मामला 8 साल तक लटकाये रखा। सरकारें आती रहीं-जाती भी रहीं मगर दीक्षित आयोग कायम रहा। 11 जनवरी 2001 को गठित इस आयोग ने भारी जन दबाव के बाद 17 अगस्त 2008 को अपनी रिपोर्ट दाखिल की जो कि दिसम्बर 2008 में विधानसभा में रखी गयी। रिपोर्ट भी खोदा पहाड़ निली चुहिया जैसी ही थी। दीक्षित आयोग की यह रिपोर्ट भी उत्तराखण्ड की क्षेत्रवादी राजनीति की पोल खोलने के लिये काफी है। आयोग के समक्ष 70 विधायकों में से एक और पांच सांसदों में से भी एक ने अपनी राय दी। दिलचस्प बात यह है कि सर्वेक्षणों में जनता का भारी बहुमत गैरसैण के पक्ष में था लेकिन आयोग के समक्ष लिखित राय देने वाले मात्र 4-5 लोग ही इसके पक्ष में खड़े दिखे। आयोग में राय देने वाले अधिकांश लोगों ने राज्य हित के बजाय अपने क्षेत्रीय हित को प्राथमिकता दी। गढ़वाल के लोगों ने ऋषिकेश या देहरादून और कुमाऊं के लोगों ने रामनगर या काशीपुर को वरीयता दी। ऐसी स्थिति में आयोग ने देहरादून के रायपुर क्षेत्र को ही अपनी वरीयता दे डाली। राजधानी को लेकर सबसे बड़ा मजाक तो तब हुआ जब भराड़ीसैण में आयोजित बजट सत्र के दौरान 4 मार्च 2020 को ग्रीष्मकालीन राजधानी की घोषण हो गयी। इस घोषणा की पुष्टि के लिये 8 जून 2020 को अधिकारिक अधिसूचना भी जारी हो गयी। इसकी वास्तविकता भी जानिये ! भराड़ीसैण के 'ग्रीष्मकालीन राजधानी' बनने के बाद पिछले छह वर्षों में केवल जून 2022 में ही वहां वास्तविक ग्रीष्मकालीन सत्र हुआ। शेष वर्षों में कोरोना, चुनाव, चारधाम यात्रा या ठंड के बहानों के बीच ग्रीष्मकालीन राजधानी में गर्मियों के सत्र सिरे ही नहीं चढ़े। एक दो सत्र शीतकाल में चले भी तो आधे अधूरे ! राजधानी वह होती है जहां से शासन प्रशासन चलता है। जहां मंत्रियों से लेकर सचिवों के कार्यालय चलते हैं ताकि लोगों को देहरादून आने के बजाय भराड़ीसैण में ही अपनी समस्याओं का निदान और विकास की मांग पूरी हो जाय। एक सप्ताह तक विधानसभा चलाना राजधानी चलाना नहीं होता। संक्षिप्त सत्र पर ही करोड़ों रुपये खर्च हो जाते हैं और जनता से लेकर कर्मचारियों तक को होने वाली असुविधा अलग होती है। अब तों जम्मू कश्मीर की दो राजधानियों को भी एक बना दिया, जबकि वह डेढ सौ साल से भी पुरानी व्यवस्था थी। ताजा आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार उत्तराखण्ड में 25 वर्षों के दौरान 80 हजार करोड़ का कर्ज चढ़ चुका है। इस बार एक लाख करोड़ से अधिक का बजट प्रस्तावित है जिसमें राज्य का अपना राजस्व बहुत कम है। देखा जाय तो यह केवल एक प्रशासनिक मुद्दा नहीं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक इतिहास का संभवतः सबसे लंबा 'राजनीतिक छलावा है। चलो भराड़ीसैण को ग्रीष्मकालीन राजधानी मान लिया तो शीतकालीन राजधानी कहां है? इसका उत्तर भी इसलिये गुम हो जाता है, क्योंकि कांग्रेस और उत्तराखण्ड क्रांति दल जैसे दल भराड़ीसैण को राजधानी बनाने की घोषणा कर चुके हैं।

25 फीट तक घिसटती गई, शव दो टुकड़ों में बंटा, कोचिंग जा रही थी 11वीं की छात्रा को ट्रक ने रौंदा

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में कोचिंग जा रही 11वीं की छात्रा को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया। छात्रा साइकिल के साथ करीब 25 फीट दूर तक घिसटती चली गई। इसके बाद कमर से ऊपर की बॉडी अलग-अलग हिस्सों में बंट गई। हादसे के बाद ड्राइवर ट्रक लेकर भागने लगा तो लोगों ने बाइक से पीछा करके करीब 200 मीटर दूर जाकर उसे पकड़ लिया। अपने को घिरता देखकर ड्राइवर ट्रक छोड़कर खेतों की ओर भागने लगा। लोगों ने दौड़ाकर पकड़ लिया और पिटाई शुरू कर दी। जमकर लात-घूंसे मारे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ड्राइवर को भीड़ से छुड़ाया और थाने

ले गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए 4 थानों की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई। छात्रा की पहचान रैनी गांव के रहने वाले आनंद बहादुर यादव की बेटी प्राची के रूप में हुई है। वह आदर्श इंटर कॉलेज में 11वीं की छात्रा थी। हादसा सुबह साढ़े 7 बजे फूलपुर के मैलहन गांव में हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया- छात्रा साइकिल से मैलहन में कोचिंग पढ़ने जा रही थी। जैसे ही वह मैलहन के पास पहुंची तभी पीछे से आ रहे ट्रक (UP70CT6566) ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद छात्रा का बैग और सामान सड़क पर बिखर गया।

- फूलपुर के मैलहन में हादसे के बाद छात्रा की डेडबॉडी सड़क पर दो टुकड़ों में बिखर गई। छात्रा का बैग भी सड़क पर पड़ा मिला।
- ट्रक ड्राइवर को लोगों ने दौड़ाकर पकड़ लिया और सड़क जाम कर दी।
- हादसे के बाद हंगामे की सूचना पर करीब 4 थानों की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची।

फूलपुर थाना क्षेत्र के आलेमऊ गांव के रहने वाले आनंद बहादुर यादव घर पर रहकर खेती करते है। उनके 2 लड़के और एक लड़की हैं। दूसरे नंबर की बेटी प्राची है। छात्रा के पिता आनंद बहादुर की तहरीर पर आरोपी ट्रक ड्राइवर इंद्रजीत के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी चालक पुलिस हिरासत में है। फूलपुर थाना क्षेत्र के आलेमऊ गांव के रहने वाले आनंद बहादुर यादव घर पर रहकर खेती करते है। उनके 2 लड़के और एक लड़की हैं। दूसरे नंबर की बेटी प्राची है। छात्रा के पिता आनंद बहादुर की तहरीर पर आरोपी ट्रक ड्राइवर इंद्रजीत के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

लोगों ने ट्रक के शीशे तोड़े, 5 घंटे तक चला हंगामा

हादसे के बाद गुस्से में लोगों ने ट्रक के शीशे तोड़ दिए। पहिए की हवा निकाल दी। यहीं नहीं लोगों ने ट्रक में लदी मैदे की करीब 20 से 25 बोरियां उतार लीं और सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। हंगामे की सूचना पर ACP फूलपुर विवेक यादव मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को समझाने की कोशिश की। लेकिन, परिवार और ग्रामीण DM को बुलाने पर अड़े रहे। परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मां बोली- मेरी बेटी को मार डाला।

पिता की तहरीर पर ट्रक ड्राइवर पर मुकदमा दर्ज

फूलपुर थाना क्षेत्र के आलेमऊ गांव के रहने वाले आनंद बहादुर यादव घर पर रहकर खेती करते है। उनके 2 लड़के और एक लड़की हैं। दूसरे नंबर की बेटी प्राची है। छात्रा के पिता आनंद बहादुर की तहरीर पर आरोपी ट्रक ड्राइवर इंद्रजीत के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

वीडियो बना रहे 3 लोगों को पीटा

हादसे के बाद हंगामे की वीडियो बनाने पर लोगों ने 3 लोगों को पीट दिया। माहौल तनावपूर्ण बन गया। इसके बाद मौके पर पहुंचे फूलपुर चेयरमैन अमरनाथ यादव ने लोगों को समझाया।

राज्य महिला आयोग की सदस्या ने पीड़ित महिलाओं की सुनी समस्याएं

जनसुनवाई में दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

तमसा संके, संवाददाता

बाराबंकी। शासन के निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या श्रीमती अंजू प्रजापति द्वारा महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने तथा महिला उत्पीड़न की घटनाओं की समीक्षा हेतु डीआरडीए गांधी सभागार में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। मा0 सदस्या ने आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में पीड़ित महिलाओं की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनसुनवाई के दौरान उन्हें कुल 05 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। उन्होंने सभी मामलों में तात्कालिक समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। सदस्या श्रीमती अंजू प्रजापति ने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं और बालिकाओं को त्वरित न्याय दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से हर वर्ष मिशन शक्ति अभियान चलाया जा रहा है, ताकि महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति सजग और सशक्त बन सकें। उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि महिलाओं और बालिकाओं की शिकायतों को हल्के में न लें, बल्कि गंभीरता से समयबद्ध कार्रवाई करें, जिससे पीड़ितों को न्याय के लिए भटकना न पड़े और उनका मान-सम्मान सुरक्षित रहे। सदस्या द्वारा विभागवार संचालित योजनाओं की समीक्षा भी महिला कल्याण विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, पंचायती राज विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग एवं समाज कल्याण विभाग के विभागीय अधिकारियों के साथ की गयी।

फास्ट न्यूज

मुजफ्फरनगर में भीषण सड़क हादसा

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर के तितावी थाना क्षेत्र के लालूखेड़ी बस स्टैंड पर शुक्रवार दोपहर एक सड़क हादसे में बाइक सवार अमित कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान शामली के धीमानपुरा निवासी रामेश्वर दयाल के पुत्र अमित कुमार के रूप में हुई है। अमित कुमार गांव अलीपुर कला में ज्वैलर्स और जनरल स्टोर की दुकान चलाते थे। जानकारी के अनुसार, अमित शामली के धीमानपुरा थाना कोतवाली क्षेत्र से बाइक पर तितावी की ओर आ रहे थे।

दिनदहाड़े चलती बाइक पर महिला के कुंडल लूटे

कायमगंजकु। फर्रुखाबाद के कायमगंज कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर दिनदहाड़े एक महिला से चलती बाइक पर कुंडल लूट लिए गए। अलीगंज मार्ग पर गांव ढमढेरा के पास हुई इस घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने राहगीरों की मदद से लुटेरों का पीछा किया। पीछा करने के दौरान लुटेरों की बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई, जिससे एक आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया गया। हालांकि, उसके अन्य साथी फरार होने में सफल रहे। अमृतपुर थाना क्षेत्र के करनपुर घाट निवासी राम अपनी बहन मंजू देवी (पत्नी अंकित) के साथ बाइक से एटा जिले के लहचोरा गांव जा रहे थे।

पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर इटावा में रूट डायवर्जन लागू

इटावा। इटावा में उत्तर प्रदेश उप निरीक्षक नागरिक पुलिस भर्ती परीक्षा 2025 के आयोजन को देखते हुए शहर में 14 मार्च और 15 मार्च 2026 को ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया गया है। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। व्यवस्थित ढंग से कराने के लिए रोडवेज बसों का रूट डायवर्जन सुबह 6 बजे से रात 8 बजे तक लागू रहेगा।

मंदिर के पास संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव मिला

तमसा संके, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में एक युवक का शव घर के पास स्थित एक मंदिर के पास संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से लटकता मिला। ग्रामीणों के अनुसार युवक शराब का आदी था। वहीं परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही उसका अंतिम संस्कार कर दिया, जिससे गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के ज्योली गांव निवासी 22 वर्षीय विकास उर्फ मंटू का शव गुरुवार देर रात घर के पास स्थित राधा कृष्णा मंदिर के पास संदिग्ध परिस्थितियों में लटकता हुआ पाया गया। बताया जा रहा है कि शुक्रवार की भोर एक महिला जब मंदिर की साफ सफाई करने पहुंची तब इसकी जानकारी हुई जिसकी जानकारी मृतक युवक के बड़े भाई को दी धीरे धीरे लोगो की भीड़ उमड़ पड़ी और मौके पर ग्रामीण व भाई पहुंचा और शव का शुक्रवार की भोर में मृतक के बड़े भाई शेखर ने बिना पुलिस को सूचना दिए ही उसका अंतिम संस्कार करा दिया। घटना की जानकारी गांव में फैलते ही तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि युवक की हत्या कर शव को फांसी के फंदे से लटकाया गया हो सकता है, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। ग्रामीणों के मुताबिक मृतक विकास उर्फ मंटू शराब पीने का आदी था और लंबे समय से परेशानियों से जूझ रहा था। उसके माता-पिता और एक भाई की पहले ही मौत हो चुकी थी। मृतक युवक करीब 3 साल पहले एक लड़की भगाकर लाया जो चार पांच महीने में ही उसे छोड़कर चली गई थी।

दामाद ने ससुर की गला दबाकर हत्या की

जमीन के पैसे को लेकर विवाद, बेटा बोला- मेरे नाना को पापा ने मार डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में गुरुवार रात दामाद ने अपने ससुर की गला दबाकर हत्या कर दी। इस दौरान उसकी पत्नी लगातार पति को रोकने की कोशिश करती रही, जबकि बच्चे चीखते-चिल्लाते रहे। लेकिन आरोपी दामाद ने किसी की नहीं सुनी और मार डाला। हत्या के बाद आरोपी घर में ही बैठा रहा। आरोपी के बेटा ने पुलिस को फोन करके कहा- पापा ने मेरे नाना को मार डाला। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। साथ ही आरोपी को भी हिरासत में ले लिया। पुलिस के मुताबिक, जमीनी विवाद को लेकर ससुर और दामाद के बीच पहले से तनातनी चल रही थी। गुरुवार को कहासुनी हो गई। इसी दौरान दामाद ने पहले ससुर के सीने पर वार किया और फिर गला दबाकर हत्या कर दी। यह घटना हरहुआ पुलिस चौकी के बड़ागांव की है। इस मामले में बड़ागांव थाना प्रभारी, इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार सिंह ने बताया- ससुर की हत्या करने वाले आरोपी दामाद को हिरासत में लिया गया है। आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

जमीन के पैसे को लेकर ससुर और दामाद में होती थी लड़ाई

मृतक की पहचान बड़ागांव निवासी किशोरी (65) के रूप में हुई है। 13 साल पहले किशोरी ने अपनी बेटी नीतू की शादी शिवपुर थाना क्षेत्र के भरलाई निवासी संजय कुमार से कराई थी। इसके बाद से संजय अपने ससुर के घर पर ही रहता था।

पत्नी बोली- मेरे पति ने गला दबाकर हत्या की

संजय ने पहले अपने ससुर के सीने पर वार किया और फिर गला दबा दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। इसके बाद संजय कमरे में चला गया। नीतू के शोर मचाने पर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और उन्होंने डॉक्टर को बुलाया। डॉक्टर ने किशोरी को मृत घोषित कर दिया, जिसके बाद लोग रोने-चिल्लाने लगे। इसके बाद बेटे आयुष ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलने पर बड़ागांव थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और संजय कुमार को हिरासत में ले लिया। साथ ही किशोरी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

किशोरी की बेटी नीतू ने बताया- मेरा पति संजय मजदूरी करके गुरुवार शाम को शराब के नशे में घर आया। करीब रात 8 बजे मेरे पिता किशोरी भी ट्रॉली चलाकर घर लौटे। इस दौरान संजय ने अपने ससुर किशोरी को गाली देना शुरू कर दिया। मैं समझाने और रोकने के लिए पहुंची, लेकिन संजय ने मुझे भी गालियां दी। इसी बीच संजय और मेरे पिता के बीच हाथापाई शुरू हो गई।

आरोपी का बेटा अंश ने बताया- पापा ने मेरे नाना को मार डाला।

बड़ागांव थाना प्रभारी, इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार सिंह ने बताया- ससुर की हत्या करने वाले आरोपी दामाद को हिरासत में लिया गया है। आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। जानकारी मिलने पर बड़ागांव थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और संजय कुमार को हिरासत में ले लिया। साथ ही किशोरी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

इस मामले में बड़ागांव थाना प्रभारी, इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार सिंह ने बताया- ससुर की हत्या करने वाले आरोपी दामाद को हिरासत में लिया गया है। आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

जमीन की पैमाइश को लेकर भाकियू का धरना तेज

तमसा संके, संवाददाता

बहराइच। जनपद के बेला मकन गांव में जमीन की पैमाइश और चकबंदी के विवाद को लेकर किसानों का गुस्सा फूट पड़ा है। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के बैनर तले किसानों ने धरना शुरू कर प्रशासन के खिलाफ कड़ा विरोध जताया। किसानों का आरोप है कि पिछले तीन महीनों से वे अपनी जायज मांगों को लेकर अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन प्रशासन सिर्फ आश्वासन देकर मामले को टाल रहा है। धरने पर बैठे किसानों ने कहा कि गांव में कई किसानों की जमीन की पैमाइश लंबे समय से लंबित है, जिसके कारण उन्हें अपनी ही जमीन पर कब्जा नहीं मिल पा रहा है। किसानों का कहना है कि इस संबंध में कई बार अधिकारियों से वार्ता हुई और पैमाइश शुरू कराने का भरोसा भी दिया गया, लेकिन हर बार किसी न किसी बहाने से काम रुकवा दिया जाता है। किसानों ने आरोप लगाया कि कुछ प्रभावशाली लोग और विरोधी गुट प्रशासन पर दबाव बनाकर पैमाइश की प्रक्रिया में बाधा डाल रहे हैं। भाकियू पदाधिकारियों ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि समय रहते पैमाइश कराकर किसानों को उनका हक नहीं दिलाया गया तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि किसानों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर जिला मुख्यालय तक बड़ा आंदोलन किया जाएगा। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे और उन्होंने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जल्द से जल्द जमीन की पैमाइश कराकर किसानों को कब्जा दिलाने की मांग की।

सखी पहल के तहत 237 छात्राओं को 5000 रुपये की छात्रवृत्ति

तमसा संके, संवाददाता

बहराइच। जनपद बहराइच में बालिकाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से "सखी पहल–टू सिक्योर हर फ्यूचर" परियोजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह पहल बाल रक्षा भारत और केन्वयू के सहयोग से संचालित की जा रही है। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वानंद ने किया। इस योजना के तहत बहराइच जिले के 16 हाईस्कूल और इंटर कॉलेजों की कुल 237 छात्राओं को 5000 रुपये की सखी छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। परियोजना के अंतर्गत बाराबंकी, श्रावस्ती, बलरामपुर, गोंडा और बहराइच समेत पांच जिलों की लगभग 1200 छात्राओं को इस छात्रवृत्ति का लाभ दिया जा रहा है। कार्यक्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वानंद ने कहा कि इस प्रकार की छात्रवृत्तियाँ छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। इससे पढ़ाई से जुड़ी आर्थिक परेशानियों को कम करने में मदद मिलती है और बालिकाओं को अपने सपनों को पूरा करने का अवसर मिलता है। उन्होंने इसे छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया। परियोजना के अंतर्गत किशोरियों के लिए मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन, जीवन कौशल और लैंगिक संवेदनशीलता जैसे विषयों पर जागरूकता सत्र भी आयोजित किए जाते हैं। साथ ही स्कूलों में वॉश सुविधाओं को बेहतर बनाने, पैड बैंक की स्थापना और मासिक धर्म अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों के नवीनीकरण का कार्य भी किया जा रहा है। इसके अलावा शिक्षकों को लैंगिक संवेदनशील शिक्षण पद्धति का प्रशिक्षण, छात्राओं के लिए जीवन कौशल व आत्मरक्षा सत्र तथा समुदाय स्तर पर बाल विवाह रोकथाम और बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अभियान भी चलाए जा रहे हैं। इस अवसर पर विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएँ, छात्राएँ तथा बाल रक्षा भारत के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर अखिलेश शुक्ला और प्रोजेक्ट असिस्टेंट जितेंद्र सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पोषण समिति की समीक्षा बैठक

कुपोषण और एनीमिया पर विशेष निगरानी के निर्देश

तमसा संके, संवाददाता

बाराबंकी। कलेक्ट्रेट स्थित लोक सभागार में शुक्रवार को जनपद स्तरीय पोषण समिति की मासिक समीक्षा एवं कन्वर्जेंस बैठक का आयोजन जिलाधिकारी की अध्यक्षता और मुख्य विकास अधिकारी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। बैठक में जनपद के पोषण और मातृ-शिशु स्वास्थ्य से जुड़े सभी विभागों की प्रगति और योजनाओं के संचालन की गहन समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि पोषण एक समेकित दायित्व है और इससे जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी विभागों के मध्य सक्रिय एवं सतत समन्वय आवश्यक है। उन्होंने सभी सीडीपीओ को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में सीवियर एनिमिक गर्भवती महिलाओं की व्यक्तिगत रूप से विशेष निगरानी करते हुए उन्हें रक्त अल्पता की समस्या से निजात दिलाई जाए। जिलाधिकारी ने कुपोषित और अति कुपोषित बच्चों के पोषण में सकारात्मक सुधार हेतु विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सैम और मैम बच्चों के स्वास्थ्य का देखभाल रखा जाए, आवश्यकता पड़ने पर एन आर सी में एडमिट कराया जाए। जिलाधिकारी द्वारा स्वास्थ्य विभाग की आर बी एस के टीम को नियमित विजिट करने हेतु निर्देशित किया गया कि लापरवाही बरतने पा संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मौत : रेलवे फाटक के पास हुआ दर्दनाक हादसा, ड्यूटी से घर लौटने के बाद निकले थे बाहर

लेखपाल ने ट्रेन के आगे लेटकर दी जान

तमसा संकेत, एजेंसी

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में लेखपाल ने ट्रेन से कटकर जान दे दी। वह ड्यूटी खत्म कर घर लौटे थे। इसके बाद किसी काम से घर से बाहर निकले थे। इसी दौरान वह रेलवे फाटक के पास पहुंच गए। ट्रैक के पास खड़े होकर ट्रेन का इंतजार करने लगे। जैसे ही ट्रेन नजदीक आई, लेखपाल तुरंत पटरी पर लेट गए। ट्रेन उनके ऊपर से गुजर गई। उनका धड़ उछलकर करीब 25 मीटर दूर जा गिरा। ट्रेन गुजरने के बाद गेटमैन उनके पास पहुंचा। पुलिस को मामले की जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंची और शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। सुसाइड का कारण अभी सामने नहीं आया है। पुलिस घरवालों से पूछताछ कर रही है। मामला सदर

बाजार क्षेत्र का है। अमरदीप सक्सेना चौक कोतवाली क्षेत्र के बिजलीपुरा में रहते थे। वह तिलहर तहसील के गढ़िया रंगीन में तैनात थे। अमरदीप गुरुवार देर शाम ड्यूटी से घर लौटे। कुछ देर रुकने के बाद वे फिर से सरकारी काम के लिए पैदल घर से निकल गए। इसके बाद वह सीधे सदर बाजार क्षेत्र के इंदरानगर रेलवे फाटक पहुंचे। उस समय फाटक बंद था। फाटक क्रॉस कर पटरी के पास खड़े हो गए और ट्रेन का इंतजार करने लगे। ट्रेन को देखते ही उन्होंने दो बार पटरी पर लेटने की कोशिश की। इसके बाद जैसे ही ट्रेन नजदीक आई तो तुरंत पटरी पर पीठ के बल लेट गए। ट्रेन उनके ऊपर से गुजर गई। इसके चलते धड़ दूर जाकर गिरा। इस पूरे हादसे को वहां खड़े गेटमैन ने देखा। लेकिन, जब तक वह कुछ समझ पाते, तब तक हादसा हो चुका था। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव की पहचान के बाद पुलिस ने परिवारवालों को हादसे की सूचना दी। रोते-बिलखते घरवाले पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे। हादसे की सूचना पर एसडीएम सदर और तहसीलदार भी वहां पहुंचे। परिवारवालों को ढांढस बंधाया। घरवालों के अनुसार, अमरदीप सक्सेना के परिवार में पत्नी सुबोधनी सक्सेना, 25 साल की बेटी मित्रबिंदा और 24 साल का बेटा क्षितिज है। अमरदीप 4 भाइयों में दूसरे नंबर के थे। थाना प्रभारी ब्रजेश सिंह ने बताया कि लेखपाल की ट्रेन से कटकर मौत हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घरवालों की शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लेखपाल का जल्द प्रमोशन होने वाला था

घरवालों ने बताया कि लेखपाल कुछ समय से डिप्रेशन में थे। करीब 3 महीने पहले उनके प्रमोशन की फाइल भी शासन को भेजी गई थी। कुछ समय बाद वह कानूनगो हो जाते। कुछ दिन पहले उन्होंने बेटी की सगाई की थी। जल्द ही बेटी की शादी होने वाली थी। हालांकि, अभी शादी की तारीख तय नहीं हुई थी।

लेखपाल अमरदीप सक्सेना तिलहर तहसील की गढ़िया रंगीन में तैनात थे।

एम्स से चल रहा था इलाज, एसआईआर में ड्यूटी लगी थी

एसडीएम तिलहर सदानंद सरोज के अनुसार, लेखपाल के भाई ने बताया कि लेखपाल का काफी समय से दिल्ली के एम्स में इलाज चल रहा था। वह दवा खाने से काफी तनाव में थे। लेखपाल की वर्तमान में कटरा विधानसभा में SIR में ड्यूटी चल रही थी।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से गर्भवती महिलाओं को मिल रही आर्थिक सहायता

तमसा संके, संवाददाता

बहराइच। गरीब एवं मजदूर परिवारों की गर्भवती महिलाओं को पोषण और स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के तहत पहली बार गर्भधारण करने वाली पात्र महिलाओं को सरकार द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, ताकि गर्भावस्था के दौरान उनका बेहतर पोषण और स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित हो सके। ग्रामीण और गरीब परिवारों में अक्सर आर्थिक तंगी के कारण महिलाएं गर्भावस्था के अंतिम दिनों तक मजदूरी करने को मजबूर रहती हैं। कई बार वे प्रसव के तुरंत बाद भी काम करना शुरू कर देती हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कुपोषण के कारण कई महिलाएं कम वजन वाले बच्चों को जन्म देती हैं और शिशुओं में भी कुपोषण की समस्या बनी रहती है। ऐसे में मां और बच्चे दोनों के स्वास्थ्य पर खतरा बढ़ जाता है। इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने 1 जनवरी 2017 से प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की शुरुआत की थी। योजना के तहत पहली बार गर्भवती होने वाली महिलाओं को जच्चा-बच्चा स्वास्थ्य संबंधी शर्तों को पूरा करने पर 5000 रुपये की सहायता तीन किश्तों में दी जाती है। इसके अलावा संस्थागत प्रसव के बाद जननी सुरक्षा योजना के तहत 1000 रुपये की अतिरिक्त सहायता प्रदान की जाती है। इस प्रकार पात्र महिला को कुल 6000 रुपये की प्रोत्साहन राशि मिलती है। प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। 29 मार्च 2024 से योजना का संचालन महिला कल्याण एवं बाल विकास तथा पुष्टाहार विभाग द्वारा किया जा रहा है। अब तक प्रदेश में 5.65 लाख से अधिक गर्भवती महिलाएं इस योजना का लाभ प्राप्त कर चुकी हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य और पोषण स्तर में सुधार हो रहा है।

शियाओं का प्रदर्शन, बच्चे लेकर पहुंचीं महिलाएं

अलर्ट

अमेरिका का झंडा रौंदा, वाराणसी में कमांडो तैनात, अलविदा जुमा पर हाईअलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी में अलविदा जुमे की नमाज को लेकर हाई अलर्ट है। काशी, बरेली, अलीगढ़ और लखनऊ में सख्त पहरा है। चप्पे-चप्पे पर फोर्स तैनात है। ड्रोन से निगरानी की जा रही है। काशी विश्वनाथ मंदिर के बाहर NSG कमांडो तैनात किए गए हैं।

लखनऊ में नमाज के बाद अमेरिका-इजराइल के खिलाफ शिया समुदाय के लोगों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। महिलाएं बच्चों को गोद में लेकर पहुंचीं। उनके हाथों में अयातुल्लाह अली खामेनेई के पोस्टर हैं। प्रदर्शन कर रहीं अमरीन ने कहा- यह देशों की नहीं, विचार-धाराओं की लड़ाई है।

इमामबाड़ा के बाहर इजराइल और अमेरिका के झंडे सड़क पर चिपकाए गए हैं, जिन्हें नमाजी पैरों से

लखनऊ में महिलाएं बच्चों को गोद में लेकर पहुंचीं। उनके हाथों में अयातुल्लाह अली खामेनेई के पोस्टर हैं।

रौंदते नजर आए। मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा- ईरान इस समय असहाय है। अमेरिका बम गिराकर आम लोगों पर हमला कर रहा। भारत इस मुद्दे की निंदा नहीं कर रहा है। यह रवैया ठीक नहीं है। कोतवाली की जामा

अयोध्या में शिया समुदाय ने शांतिपूर्ण तरीके से अदा की जुमे की नमाज

अयोध्या में शिया समुदाय ने इमामबाड़ा जवाहर अली खां में अलविदा जुमा की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से अदा की। इस मौके पर, समुदाय के लोगों ने इजराइल विरोधी नारे लगाए और देश में अमन-चैन के साथ-साथ दुनिया से युद्धों के खात्मे के लिए दुआएं कीं। शिया मौलाना कमर मेहंदी ने ईरान और भारत के ऐतिहासिक संबंधों पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ईरान हमेशा से भारत का दोस्त रहा है, और हाल ही में तेल पर से पाबंदी हटाने का फैसला इस दोस्ती को एक बार फिर साबित करता है।

मस्जिद में अलविदा जुमा की नमाज शांतिपूर्ण संपन्न हुई। यहां नमाजियों की एक बड़ी संख्या नमाज पढ़ने के लिए पहुंचती है। इस बार भी नमाजियों की संख्या अच्छी खासी रही।अलविदा जुमा की नमाज के बाद दुआ पढ़ी गई। सभी ने देश में अमन और चेन की दुआ मांगी। इस दौरान मौजूद रहे नायब शहर काजी जैनुल राशिद्दीन ने कहा कि मेरठ एकता और भाईचारे में हमेशा मिसाल बना है।

- मेरठ में नमाजी मस्जिद से नमाज पढ़कर बाहर निकले। हर तरफ वर्दी और सादे कपड़ों में भी पुलिस फोर्स तैनात है। प्रशासन लोगों से लगातार शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील कर रहा है।
- नायाब शहर काजी ने भी लोगों से बातचीत की। त्योहार को अच्छे से मनाने की दुआ दी।

यहां हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई सभी एक साथ मिलकर त्यौहार मनाते हैं। ईरान की अमेरिका, इजरायल के साथ चल रही लड़ाई को लेकर उन्होंने कहा कि इसे जल्द से जल्द रोकना चाहिए।

वाराणसी में शिया मुसलमानों ने मनाया यौमे कुदस

वाराणसी में ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामनेई की मौत के बाद से शिया समुदाय में आक्रोश है। अलविदा जुमे की नमाज में बताया कि 40 साल पहले ईरान लीडर अयातुल्लाह ने फ़िलिस्तीन की आजादी के लिए अलविदा जुमा का दिन चुना था, इसलिए इसे यौमे कुदस कहते हैं। इस दौरान लोगों ने नमाज के बाद आयतुल्लाह अली खामनेई के पोस्टर लहराए।

इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज में 'उद्भव-2026' का भव्य शुभारंभ

दो दिवसीय टेक्नो-कल्चर फेस्ट में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

तमसा संकेत, संवाददाता

साहिबाबाद। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव टेक्नो-कल्चर फेस्ट 'उद्भव-2026' का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, निदेशक प्रो. डॉ. अनिल कुमार सोलंकी, डीन एकेडेमिक्स डॉ. अमित जैन, डॉ. सुनीता यादव, वाई.एस. यादव तथा फेस्ट की संयोजक एवं डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. डॉ. मीनाक्षी शर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना, गणेश पूजन और विभिन्न राज्यों के लोक नृत्यों की प्रस्तुतियों से हुई। फेस्ट में तकनीकी, प्रबंधन, सांस्कृतिक, साहित्यिक और फाइन आर्ट सहित करीब 50 विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं, जिनमें गाजियाबाद और आसपास के जिलों के 50 से अधिक कॉलेजों

के लगभग 500 छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। सिंगिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने बॉलीवुड और हॉलीवुड के गीत प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। वहीं बैटल ऑफ बैंड प्रतियोगिता में विभिन्न कॉलेजों की पांच टीमों ने शानदार प्रस्तुति देकर माहौल को सुरमयी बना दिया। शाम को आयोजित फैशन शो में छात्र-छात्राओं ने आकर्षक परिधानों में रैंप वॉक कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में डीजे नाइट में छात्रों ने जमकर उत्साह दिखाया। संस्थान के मीडिया हेड अजय चौधरी ने बताया कि फेस्ट के दूसरे दिन शाम 8 बजे प्रसिद्ध पंजाबी गायक मनिंदर बुट्टर की लाइव परफॉर्मेंस होगी।

फास्ट न्यूज

400 मस्जिदों में हुई जुमा अलविदा की नमाज

आगरा । रमजान महीने में आगरा की 400 से अधिक मस्जिदों में जुमा अलविदा की नमाज हुई। इस दौरान देश में अमन और चैन की दुआ मांगी गई। शाही जामा मस्जिद पर काफी संख्या में अकीकतमंद पहुंचे। यहां सुरक्षा व्यवस्था के कड़े बंदोबस्त किए गए थे। किसी भी मस्जिद के बाहर सड़क पर नमाज नहीं हुई। अधिकांश मस्जिदों पर पुलिस बल तैनात रहा। वहीं, नगर निगम ने मस्जिदों के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाया।

बैटरी रिक्शा चालक को पीट-पीट कर मार डाला

कानपुर । जूही में गली के बाहर लघुशंका करने से मना करने पर दो युवकों ने बैटरी रिक्शा चालक के सिर और चेहरे पर ताबड़तोड़ वार कर लहुलूहान कर दिया। घटना के 9 दिन बाद बैटरी रिक्शा चालक की मौत हो गई। मृतक की बहन की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाकर हंगामा शुरू कर दिया। परिजन आरोपियों की गिरफ्तारी और बुलडोजर कार्रवाई की मांग को लेकर अड़ गए, करीब 2 घंटे तक परिजन शव रखकर हंगामा करते रहे।

आश्रम में नहीं मिला सिलेंडर तो जल गया चूल्हा

आगरा । देशभर में एलपीजी सिलेंडर की बढ़ती कीमत और उपलब्धता की समस्या का असर अब सामाजिक संस्थाओं पर भी पड़ने लगा है। आगरा के रामलाल वृद्ध आश्रम में गैस सिलेंडर नहीं मिलने के कारण बुजुर्गों के लिए चूल्हे पर खाना बनाना पड़ रहा है। आश्रम में करीब 370 बुजुर्गों को प्रतिदिन दो समय का भोजन और चाय दी जाती है।

श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन, तीसरे दिन उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

तमसा संकेत, संवाददाता

बलदेव। रीढ़ा बलदेव में श्री मद भागवत कथा के तीसरे दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे, जिससे भक्तिमय माहौल हो गया।

भागवत प्रवक्ता आचार्य मनीष गर्गाचार्य ने कथा के दौरान सती चरित्र, ध्रुव चरित्र और ध्रुव जी के वंश का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने जड़ भरत चरित्र, आजामि-लोपाख्यान और भगवान के परम भक्त प्रह्लाद जी की कथा का भी भावपूर्ण वर्णन किया।

इस अवसर पर श्री गर्गाचार्य ने कहा कि कलियुग के समस्त पापों को समाप्त करने की शक्ति श्रीमद् भागवत महापुराण की कथा में निहित है। उन्होंने बताया कि जो भी श्रद्धा और भक्ति भाव से इस कथा का श्रवण करता है, उसका जीवन धन्य हो जाता है। इस अवसर पर बलभद्र पीठाधीश्वर आचार्य विष्णु जी महाराज ने कहा कि भगवान के लिए भक्ति और प्रेम ही सर्वोपरि है, न कि जाति, पद या संपत्ति। सच्चे मन से की गई भक्ति से ईश्वर अवश्य प्रसन्न होते हैं। कार्यक्रम में परीक्षित श्याम सुन्दर अग्रवाल,युवा समाजसेवी सुजीत वर्मा, डॉ जगदीश पाठक,रवेंद्र सिंह आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

2 अफसरों के हत्यारोपी का एनकाउंटर

दोनों पैर में गोली मारी, जॉइन करने आए नए डीजीएम डरकर मुंबई लौटे

तमसा संकेत, एजेंसी

बदायूं । बदायूं में हिंदुस्तान पेट्रोलियम के DGM सुधीर गुप्ता (55) और असिस्टेंट मैनेजर हर्षित मिश्रा (35) की हत्या के आरोपी का पुलिस ने हाफ एनकाउंटर कर दिया। मुठभेड़ में आरोपी के दोनों पैरों में पुलिस ने गोली मारी। इसके बाद कंधे पर लादकर गाड़ी तक ले गई। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

CO डॉ. देवेंद्र सिंह ने बताया- आरोपी ठेकेदार अजय प्रताप सिंह ने जिस हथियार से अफसरों की हत्या की थी, उसे वारदात के बाद जंगल में छिपा दिया था। शुक्रवार तड़के पुलिस हथियार की बरामदगी के लिए आरोपी को जंगल में ले गई थी। इसी दौरान आरोपी ने झाड़ियों के बीच से लोडेड तमंचा निकाला और पुलिस टीम पर फायर कर दिया। जवाबी फायरिंग में वह जख्मी हो गया। इस पूरे हत्याकांड में बदायूं पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने

आई है। आरोपी अजय प्रताप सिंह आउटसोर्स कर्मचारी था और प्लांट में पराली की सप्लाई का ठेका लेता था। लेकिन, इसे नौकरी से निकालकर इसकी फर्म को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया था। इसके बाद अजय करीब तीन महीने से DGM सुधीर गुप्ता को जान से मारने की धमकी दे रहा था।

सुधीर गुप्ता ने 4 फरवरी को मुसाझाग थाने में अजय के खिलाफ FIR भी दर्ज कराई थी। इसमें कहा था कि अजय लगातार धमका रहा है। उनका पीछा करता है। सुधीर गुप्ता इतना डर गए थे कि उन्होंने रिटायरमेंट के 5 साल पहले ही VRS की एप्लिकेशन दे दी थी, जो मंजूर हो गई थी। 31 मार्च को उनकी नौकरी का आखिरी दिन था। वहीं, हर्षित मिश्रा ने भी अपने ट्रांसफर के लिए एप्लिकेशन दी थी। लेकिन, उससे पहले ही आरोपी ने दोनों की हत्या कर दी। FIR के बाद भी बदायूं पुलिस ने एक्शन नहीं लिया। गुरुवार को सुधीर की जगह नए डीजीएम लोकेश भी मुंबई से जॉइन करने के लिए HP प्लांट पहुंचे थे। उनके सामने ही वारदात हुई।

डीजीएम के सीने में धंसी मिली दो गोलियां, मैनेजर के दिल के आर-पार हुई बुलेट

गुरुवार देर रात दोनों अफसरों के शव का पोस्टमार्टम हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, डीजीएम के सीने में दो गोलियां धंसी मिलीं, जबकि असिस्टेंट मैनेजर हर्षित के सीने के बाईं ओर एक गोली लगी, जो दिल को चीरते हुए पार निकल गई।

गुरुवार रात 11.20 बजे नोएडा से डीजीएम सुधीर गुप्ता की पत्नी रश्मि गुप्ता, उनका बेटा आरुष और ससुर कैलाश बदायूं पहुंचे। सुधीर का शव देखकर पत्नी फूट-फूटकर रोने लगीं। बेटा भी मां के गले से लिपटकर रोने लगा। ससुर भी रो पड़े।

पत्नी ने रोते हुए कहा- सुधीर जल्द ही काम से फ्री होकर परिवार को ज्यादा समय देने की बात करते थे, लेकिन उससे पहले ही उनकी हत्या हो गई।

असिस्टेंट मैनेजर सेल्स हर्षित मिश्रा की मां रानी और पिता सुनील देर रात पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। बेटे का शव देखकर रानी अपने पति का हाथ पक-ड़कर रोने लगीं। वहां बैठी महिलाओं ने उन्हें चुप कराने की कोशिश की, तो उन्होंने कहा- हम कैसे चुप हो जाएं। मेरा बेटा चला गया है।

छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान के प्रति जागरूकता का परिचय दिया

छात्राओं ने किया रक्तदान 106 युवाओं ने कराया पंजीकरण

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के तत्वावधान में सद्भावना चैरिटेबल ब्लड बैंक, एनएनबी वेलफेयर काउंसिल तथा श्रीअरविंद सोसायटी के सहयोग से एक दिवसीय महा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कॉलेज की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान के प्रति जागरूकता का परिचय दिया।

रक्तदान शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि अपर नगर आयुक्त राकेश त्यागी ने किया। उन्होंने समाज सेवा के इस पुनीत कार्य की सराहना करते हुए स्वयं भी रक्तदान किया और युवाओं को मानव सेवा के लिए आगे आने का संदेश दिया।

शिविर में कुल 106 युवाओं ने रक्तदान के लिए पंजीकरण कराया। कॉलेज की एनएसएस इकाई के प्रमुख डॉ. निर्मल वर्मा एवं प्रवक्ता नूतन देहर ने कार्यक्रम का संयोजन किया। संपूर्ण व्यवस्था की जिम्मेदारी डॉ. मांडवी राठौर, डॉ. मनोरमा कौशिक, दामोदर घोष, डॉ. आरती पाठक, प्रवक्ता रोहित वाजपेई, शैलजा सिंह, शिवानी शर्मा और संजय वर्मा ने संभाली।

इससे पूर्व कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल वाजपेयी ने कहा कि युवाओं के लिए रक्तदान देश सेवा का सबसे बड़ा माध्यम है और इससे जरूरत-मंदों को जीवनदान मिलता है।

- कार्यक्रम में नोएडा से आए विशिष्ट अतिथि, समाचार सिटी 24 के संपादक प्रकाश सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए रक्तदान को मानवता की सेवा बताया। वहीं मथुरा करणी सेना के अध्यक्ष दिनेश ठाकुर ने भी रक्तदान कर युवाओं को प्रेरित किया।

शिविर में रक्तदान से पहले सभी रक्तदाताओं की हीमोग्लोबिन जांच की गई और सुरक्षित प्रक्रिया के तहत रक्तदान कराया गया। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र व हेलमेट प्रदान किए गए तथा रक्तदान के बाद फल और शक्ति वर्धक पेय भी दिए गए।

सद्भावना ब्लड बैंक के मेडिकल ऑफिसर प्रदीप पाराशर, डायरेक्टर संजीव सारस्वत, डॉक्टर भूदेव सिंह, स्टाफ तरुण कुमार, सुशील, यतेंद्र, रिंकू, सौरभ, नितिन तथा श्रीअरविंद सोसायटी से मीता वाजपेई, सारिका भाटिया, शालिनी भारद्वाज, ज्योति और विनोद का शिविर के सफल आयोजन में विशेष सहयोग रहा।

प्रभु प्रिय धाम में दिव्य वातावरण में मनाया गया होली मिलन समारोह

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय बलदेव के "प्रभु प्रिय धाम" में होली मिलन समारोह बड़े ही दिव्य और अलौकिक वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आध्यात्मिक रंगों से होली का पर्व मनाया।

बलदेव केंद्र प्रभारी आदरणीय ब्रह्माकुमारी राजयोगिनी सीमा दीदी ने होली का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए कहा कि होली एक पावन त्योहार है, जिसके तीन विशेष अर्थ हैं। पहला – होली अर्थात पवित्रता, दूसरा – होली अर्थात जो बीत गया सो बीत गया, बीती हुई बातों को छोड़कर वर्तमान को सुंदर बनाना, और तीसरा – होली अर्थात भगवान की हो ली, यानी स्वयं को परमात्मा को समर्पित कर देना।

उन्होंने कहा कि सच्ची होली तब मनाई जाती है जब हम अपने अंदर

- कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी रेनू बहन ने व्यवस्था संभालते हुए सभी को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा सभी ने आनंदपूर्वक रास किया। अंत में सभी को भोग प्रसाद वितरित किया गया।

की बुराइयों, विकारों और अवगुणों का दहन कर दें। जब मन शुद्ध और पवित्र बनता है, तभी जीवन में खुशियों के रंग भरते हैं और हम आपसी प्रेम, सुख और शांति के साथ जीवन जी सकते हैं।

इस अवसर पर ब्रह्मावत्स बी.के. कृष्णा, कुसुम, राजवती, रंजन, गुड्डी, मीरा, बंटी, सिया, ओमवती, निर्मल, बेबी, रेनू, पूनम, मोतिनी, चंद्रवती, केसर, पंकज, हरिख्याल, जगदीश, कन्हैया, संजय गर्ग, जुगेंद्र और हरिओम सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पृष्ठ 01 का शेष...

11 किलोमीटर लंबा ...

ग्रीन कॉरिडोर का एंट्री पॉइंट समता मूलक के सजाया गया है। कॉरिडोर शुरू होने के बाद यहां से निशातगंज तक बिना जाम का सामना किए सफर किया जा सकेगा। ग्रीन कॉरिडोर योजना का दूसरा चरण 1519 करोड़ खर्च करके तैयार हुआ है। इसी के साथ योजना के तीसरे व चौथे चरण के निर्माण कार्यों का शिलान्यास भी होगा, जो लखनऊ के भविष्य की रफ्तार तय करेगा। 100 करोड़ की लागत से कॉरिडोर योजना के पहले चरण का लोकार्पण 11 मार्च 2024 को किया गया था। 16.8 किलोमीटर लंबा पुल आईआईएम रोड से पक्का पुल तक बना। 1220 करोड़ की लागत से इस योजना के तीसरे और चौथे चरण का शिलान्यास किया जाएगा, जो पिपराघाट से किसान पथ को जोड़ेगा।

ग्रीन कॉरिडोर में 6 लेन की सड़क बनाई गई है। ग्रीन कॉरिडोर का दूसरा फेज गोमतीनगर के समता मूलक चौक से निशातगंज होते हुए हनुमान सेतु डालीगंज तक है। 6 लेन सड़क बनाई गई है। दोनों ओर सड़क की चौड़ाई करीब 11.50 मीटर है। निशातगंज में चौराहा बनाया गया है। इसके शुरू होने से शहर के करीब 5 लाख लोगों को ट्रैफिक जाम से राहत मिलने की उम्मीद है। ग्रीन कॉरिडोर के चालू होने से निशातगंज, डालीगंज, समतामूलक, बादशाहनगर और आसपास के इलाकों में जाम की समस्या काफी हद तक खत्म होगी। भारी ट्रैफिक अब गोमती किनारे बने इस कॉरिडोर से सीधे निकल सकेगा, जिससे अंदरूनी सड़कों पर दबाव कम होगा।

2300 तक महंगी ...

वहीं दक्षिण-पूर्व एशिया, चीन, अफ्रीका और वेस्ट एशिया जाने वाली उड़ानों पर 1800 और यूरोप की उड़ानों पर 2300 फ्यूल चार्ज लिया जाएगा।

एयरलाइन ने बताया कि एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) किसी भी एयर-लाइन के कुल ऑपरेशन खर्च का करीब 40% हिस्सा होता है। मिडिल ईस्ट में बढ़े भू-राजनीतिक तनाव के कारण ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं।

कंपनी का कहना है कि पूरे असर को किराए में जोड़ने से टिकट काफी महंगे हो जाते, इसलिए यात्रियों पर बोझ कम रखने के लिए सीमित फ्यूल चार्ज लगाया गया है। इससे पहले एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस भी टिकटों पर फ्यूल सरचार्ज लागू करने का ऐलान कर चुकी हैं। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने शुक्रवार को सभी घरेलू और इंटरनेशनल फ्लाइट्स पर 'फ्यूल सरचार्ज' लगाने की घोषणा की है।

यह नया नियम 14 मार्च की रात 12 बजे से लागू हो जाएगा। यानी कल से टिकट बुक करने पर आपको ज्यादा पैसे खर्च करने होंगे। कंपनी का कहना है कि पूरे असर को किराए में जोड़ने से टिकट काफी महंगे हो जाते, इसलिए यात्रियों पर बोझ कम रखने के लिए सीमित फ्यूल चार्ज लगाया गया है। इससे पहले एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस भी टिकटों पर फ्यूल सरचार्ज लागू करने का ऐलान कर चुकी हैं।

पीरियड्स में पेड लीव ...

CJI सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने सुनवाई के दौरान मेंस्ट्रुअल लीव को अनिवार्य बनाने के संभावित सामाजिक परिणामों के बारे में चिंता जाहिर की।

कोर्ट ने याचिकाकर्ता के अधिकार क्षेत्र पर भी सवाल उठाया और कहा कि इस मामले को लेकर खुद कोई महिला कोर्ट में नहीं आई है।

मान लीजिए आप पूरे प्राइवेट सेक्टर को महीने में एक बार छुट्टी लेने का अधिकार देते हैं तो यह उनके विकास के लिए नुकसानदायक हो सकता है। आपको वर्क प्लेस पर बनने वाली मानसिकता का अंदाजा नहीं है।

इस पर कानून बना तो महिलाओं के करियर को होने वाले नुकसान का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाएगा। कोई भी उन्हें जिम्मेदारियां नहीं देगा, यहां तक कि ज्यूडीशियल सर्विस में भी, उन्हें सामान्य मुकदमे नहीं सौंपे जाएंगे।

भारत हमारा दोस्त...

संयुक्त अरब अमीरात (UAE) पर ईरान की ओर से मिसाइल और ड्रोन हमला किया गया है। UAE के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि देश के एयर डिफेंस सिस्टम इन मिसाइलों और ड्रोन को इंटरसेप्ट करने के लिए एक्टिव हो गए हैं।

अधिकारियों ने नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है, क्योंकि इंटरसेप्शन के दौरान मलबा गिरने का खतरा हो सकता है।

पश्चिमी इराक में क्रैश हुए अमेरिकी एयरफोर्स के KC-135 रिफ्यूलिंग विमान में सवार सभी 6 क्रू मेंबर्स की मौत हो गई है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENT-COM) ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की।

दावा- ईरान के नए...

बताया जा रहा है कि उनकी हालत बेहद गंभीर है।

रिपोर्ट के मुताबिक हमले में चोट इतनी गहरी थी कि उनका एक पैर काटना पड़ा और लिवर को भी गंभीर नुकसान पहुंचा है। अस्पताल के एक हिस्से को पूरी तरह सील कर दिया गया है और वहां भारी सुरक्षा तैनात है।

मुजतबा खामेनेई को उनके पिता और ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद 9 मार्च को देश का नया सुप्रीम लीडर बनाया गया था। अली खामेनेई की 28 फरवरी को मौत हुई थी।

'मोदी...

कार्यक्रम में करीब 4 हजार लोग शामिल हैं। दलित वोटर्स की सियासत में कांग्रेस का यह बड़ा कदम माना जा रहा है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का सपा के साथ गठबंधन था, तब यूपी में NDA की सीटों की संख्या 36 पर सिमट गई थी। महागठबंधन 43 सीटों पर जीतने में कामयाब रहा। महागठबंधन इसी सफलता को 2027 के विधानसभा चुनाव में भी दोहराना चाहता है।

सपा भी कांशीराम जयंती को PDA दिवस के रूप में मनाने का ऐलान कर चुकी है। यूपी के 75 जिलों में पार्टी के जिला मुख्यालयों पर 15 मार्च को कार्यक्रम होंगे। हर्षवर्धन त्रिपाठी कहते हैं- ऐसा नहीं है। मायावती भले ही खुद बहुत ज्यादा नहीं निकलती हों, लेकिन उनका संगठन जमीनी स्तर पर सक्रिय है। पार्टी के कोऑर्डिनेटर खामोशी से संगठन का काम कर रहे हैं। 9 अक्टूबर, 2025 को लखनऊ में कांशीराम की पुण्यतिथि पर उमड़ी लाखों की भीड़ इसकी बानगी भी है। बसपा का कोर वोटर्स फिर तेजी से जुड़ रहा।

मुख्यमंत्री सामूहिक ...

कार्यक्रम में परियोजना निदेशक अनिल कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी आलोक दत्त उपाध्याय, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, जिला सेवायोजन अधिकारी और जिला समाज कल्याण अधिकारी मौजूद रहे।

इसके अलावा विभिन्न ब्लॉक, नगर निकाय और नगर पंचायत के अधिकारी और कर्मचारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। सभी ने आयोजन की व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

सामूहिक विवाह कार्यक्रम में नवविवा-हित जोड़ों के परिजन और स्थानीय लोग भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विवाह के बाद परिजनों और उपस्थित लोगों ने नवदंपतियों को शुभकामनाएं दीं।

किल्लत : पंजाब में ...

दिक्कत अफवाहों और 'पैनिक बुकिंग' की वजह से हो रही है। आम तौर पर रोजाना 50-55 लाख बुकिंग होती थी, जो अब बढ़कर 75-76 लाख तक पहुंच गई है। होटल-रेस्टोरेंट में गैस का स्टॉक खत्म होने से बिजनेस ठप होने लगे हैं। कई जगह ताले भी लटकने लगे हैं। वहीं कोटा समेत कई शहरों में हॉस्टल मेस और ढाबों में मजबूरी में लकड़ी, कोयले और इलेक्ट्रिक चूल्हों पर खाना बनाया जा रहा है। कई शहरों में एजेंसियों पर सुबह 5 बजे से ही लंबी लाइनें लग रही हैं और सिलेंडर न मिलने पर लोगों की पुलिस से झड़प तक हो रही है। इस संकट के बीच सिलेंडर की कालाबाजारी भी हो रही है, जिसके विरोध में कांग्रेस ने जयपुर में सिलेंडर की शवयात्रा निकाली।

ईरानी टीम का अमेरिका न आना ही बेहतर : ट्रम्प

हालांकि हम उनका स्वागत करेंगे, ईरानी मंत्री बोल चुके-फीफा वर्ल्ड कप खेलना मुश्किल

मुबंई, एजेंसी

अमेरिका में होने जा रहे 2026 फीफा वर्ल्ड कप से पहले सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय हालात को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति Donald Trump ने ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को लेकर एक बयान दिया है, जिसने खेल और कूटनीति दोनों क्षेत्रों में हलचल पैदा कर दी है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए ईरानी टीम को अपनी सुरक्षा और जान-माल का ध्यान रखते हुए अमेरिका आने के फैसले पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका मेजबान देश होने के नाते सभी टीमों का स्वागत करेगा और ईरानी टीम के लिए भी दरवाजे खुले हैं। दरअसल, 2026 का FIFA World Cup 2026 तीन देशों—United States, Canada और Mexico—की संयुक्त मेजबानी में आयोजित किया जा रहा है। यह पहला मौका होगा जब विश्व

कप तीन देशों में एक साथ आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट की शुरुआत 11 जून 2026 को Mexico City में उद्घाटन मैच के साथ होगी। वहीं इसका फाइनल मुकाबला 19 जुलाई को MetLife Stadium में खेला जाएगा। इस स्टेडियम को न्यूयॉर्क क्षेत्र के प्रमुख खेल स्थलों में गिना जाता है। अधिकारियों के अनुसार, खिलाड़ियों, टीम स्टाफ और दुनियाभर से आने वाले लाखों प्रशंसकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती, आधुनिक निगरानी व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय किया जा रहा है।

ईरानी फुटबॉल फेडरेशन ने सुरक्षा पर उठाए सवाल

ईरान फुटबॉल फेडरेशन (FFIRI) के अध्यक्ष मेहदी ताज ने भी वर्ल्ड कप को लेकर निराशा जताई है। उन्होंने कहा कि हालिया हमलों के बाद ईरान से वर्ल्ड कप को लेकर उम्मीद रखने की गुंजाइश नहीं है। ताज ने ईरानी सरकारी टेलीविजन पर सवाल उठाते हुए कहा, ' वर्ल्ड कप का माहौल ऐसा ही रहने वाला है, तो कौन सा देश अपनी नेशनल टीम को ऐसी जगह भेजने की हिम्मत करेगा?'

पहली बार टूर्नामेंट में 104 मैच खेले जाएंगे

2026 का फीफा वर्ल्ड कप कई मायनों में खास होने वाला है। इस बार टूर्नामेंट में कुल 104 मैच खेले जाएंगे। पहली बार तीन देश मिलकर इसकी मेजबानी कर रहे हैं। अमेरिका के कई बड़े शहरों में मैच आयोजित किए जाएंगे।

टिकटों की डिमांड सबसे ज्यादा, खिलाड़ियों को मिलेगा 'स्टार' ट्रीटमेंट

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में ट्रम्प ने बताया कि वर्ल्ड कप के टिकटों की बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। उन्होंने फैन्स और खिलाड़ियों को भरोसा दिलाते हुए लिखा,'संयुक्त राज्य अमेरिका फीफा वर्ल्ड कप की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। टिकटों की बिक्री आसमान छू रही है। यह अमेरिकी इतिहास का सबसे महान और सुरक्षित आयोजन होगा। सभी खिलाड़ियों, अधिकारियों और फैन्स के साथ 'सितारों' जैसा व्यवहार किया जाएगा।'

ईरानी खेल मंत्री ने कहा था कि खेलना मुश्किल

वहीं, एक दिन पहले ईरान के खेल मंत्री अहमद दुन्यामाली ने कहा कि देश की फुटबॉल टीम 2026 फीफा वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं ले सकती। उनका कहना है कि अमेरिकी-इजराइली हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता की हत्या के बाद बने हालात में टीम का टूर्नामेंट में भाग लेना संभव नहीं है। इससे पहले फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो ने बताया था कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि ईरान की राष्ट्रीय टीम को 2026 फुटबॉल वर्ल्ड कप खेलने के लिए अमेरिका आने की अनुमति दी जाएगी।

अब नेट्स शेयर नहीं कर सकेंगी आईपीएल टीमें

मुंबई। BCCI ने IPL टीमों के प्रैक्टिस सेशन को लेकर नई गाइडलाइन जारी की हैं। इसके अनुसार कोई भी टीम उस नेट या पिच पर प्रैक्टिस नहीं कर सकेगी, जिस पर दूसरी टीम पहले अभ्यास कर चुकी हो। हर टीम को अभ्यास के लिए अलग और नए नेट उपलब्ध कराए जाएंगे।

अगर दो टीमें अलग-अलग समय पर अभ्यास करती हैं तो भी पहली टीम के इस्तेमाल किए नेट दूसरी टीम को नहीं दिए जाएंगे। अगर कोई टीम जल्दी अभ्यास खत्म कर देती है, इस स्थिति में भी दूसरी टीम उसकी रेंज-हिटिंग पिच का उपयोग नहीं कर पाएगी। पहला मैच डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर खेला जाएगा। BCCI ने एक दिन पहले 11 मार्च को IPL 2026 का शेड्यूल जारी किया है। किसी फ्रेंचाइजी के पहले घरेलू मैच से 4 दिन पहले तक मुख्य पिच पर कोई अभ्यास सत्र या प्रैक्टिस मैच नहीं होगा।

ज्वेरेव पहली बार इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में

एटीपी मास्टर्स के सभी 9 इवेंट्स में आखिरी-4 खेलने वाले पांचवें खिलाड़ी बने

नई दिल्ली, एजेंसी

जर्मनी के टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने गुरुवार को इंडियन वेल्स मास्टर्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार सेमीफाइनल में जगह बना ली। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में आर्थर फिल्स को 6-2, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ ज्वेरेव ATP मास्टर्स-1000 के सभी नौ टूर्नामेंट में सेमीफाइनल खेलने वाले सिर्फ पांचवें खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच, रोजर फेडरर और एंडी मरे यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। इस उपलब्धि के साथ ज्वेरेव 'बिग फोर' यानी रोजर फेडरर, राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच

और एंडी मरे के चुनिंदा खिलाड़ी क्लब में शामिल हो गए हैं। ज्वेरेव ने कहा,'इतिहास में ऐसा करने वाले सिर्फ पांच खिलाड़ियों में शामिल होना मेरे लिए बहुत खास है। यह ऐसी उपलब्धि है जिस पर मुझे गर्व है।' ज्वेरेव अब तक नौ में से पांच मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट जीत चुके हैं। हालांकि, वह अभी तक कोई ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीत पाए हैं, जबकि तीन बार फाइनल तक पहुंच चुके हैं। टेनिस में ग्रैंड स्लैम के बाद मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट सबसे प्रतिष्ठित माने जाते हैं। एक साल में कुल 9 ऐसे टूर्नामेंट होते हैं-इंडियन वेल्स, मियामी, मोंटे कार्लो, मैड्रिड, रोम, कनाडा, सिनसिनाटी, शंघाई और पेरिस। इन सभी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचना किसी खिलाड़ी की निरंतरता और उच्च स्तर के प्रदर्शन को दर्शाता है। ज्वेरेव ने इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में पहुंचकर अपना यह 'सेट' पूरा कर लिया है। सिनर ने क्वार्टरफाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी लर्नर टिएन को सिर्फ 66 मिनट में 6-1, 6-2 से हराया। सिनर अभी तक इंडियन वेल्स का खिताब नहीं जीत पाए हैं और इस साल अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश में हैं।

चीन को 62% मेडल महिला एथलीट दिलाती हैं, इसलिए महिला क्रिकेट टीम को ज्यादा समर्थन

ओलिंपिक में क्रिकेट शामिल होने का फायदा चीनी महिलाओं को

लंदन, एजेंसी

भारत समेत कई देशों में क्रिकेट को पारंपरिक रूप से पुरुषों का खेल माना जाता है, लेकिन China में यह तस्वीर बिल्कुल अलग है। वहां क्रिकेट को मुख्य रूप से महिलाओं का खेल माना जाता है और खेल प्रशासन का पूरा ध्यान महिला टीम को मजबूत बनाने पर केंद्रित है। महिला खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं, ज्यादा मैच और अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर दिया जाता है। हाल ही में University of Cambridge में आयोजित 'क्रिकेट रिसर्च नेटवर्क' सम्मेलन में चीन की इसी अनोखी खेल नीति पर चर्चा की गई।

1988 ओलिंपिक के बाद बदली चीन की नीति

1988 सियोल ओलंपिक चीन के लिए एक अहम मोड़ साबित हुआ। उस ओलिंपिक में चीन को सिर्फ पांच गोल्ड मेडल मिले थे, जिसे देश के खेल प्रशासन ने निराशाजनक माना। इसके बाद चीन ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव किया और महिला खिलाड़ियों को प्राथमिकता देने की नीति अपनाई। इस फैसले का मकसद था।

शोध में सामने आई चीन की खेल रणनीति

सम्मेलन में Xi'an Jiaotong University के शोधकर्ता Max He ने इस विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि चीन में खेलों की पूरी संरचना ओलिंपिक में बेहतर प्रदर्शन और अधिक मेडल जीतने के लक्ष्य पर आधारित है।

उनके अनुसार, चीन ने यह समझ लिया था कि कई खेलों में महिला खिलाड़ियों के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन की संभावना अधिक होती है। इसी वजह से सरकार और खेल प्रशासन ने महिला खेलों में ज्यादा निवेश करने का फैसला किया।

महिला खिलाड़ियों ने दिलाए रिकॉर्ड मेडल

चीन की इस रणनीति का असर आने वाले वर्षों में साफ दिखाई दिया। पिछले चार ओलिंपिक—2012 लंदन ओलंपिक, 2016 रियो ओलंपिक, 2020 टोक्यो ओलंपिक और 2024 पेरिस ओलंपिक—में चीन ने कुल 143 गोल्ड मेडल जीते हैं। इनमें से लगभग 62.2 प्रतिशत गोल्ड मेडल महिला खिलाड़ियों ने हासिल किए हैं। यह आंकड़ा दिखाता है कि चीन की महिला-केंद्रित खेल नीति कितनी सफल साबित हुई है।

क्रिकेट में भी लागू की गई यही रणनीति

ओलिंपिक में मिली सफलता के बाद चीन ने यही रणनीति क्रिकेट में भी लागू कर दी है। चीन के खेल प्रशासन और मीडिया में महिला क्रिकेट टीम को ही मुख्य टीम का दर्जा दिया जाता है।

महिला खिलाड़ियों को टर्फ विकेट पर अभ्यास करने की सुविधा, अनुभवी कोच और विदेशी दौरों के अधिक अवसर दिए जाते हैं। इसके विपरीत पुरुष टीम को कम संसाधन और सीमित अंतरराष्ट्रीय अवसर मिलते हैं।

मनोरंजन

अनन्या ने पुराने रिश्तों पर तोड़ी चुप्पी

अभिनेत्री ने बताया कैसे अकेले रहने ने बदला जीवन का नजरिया

मुबंई, एजेंसी

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे ने हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में अपने पुराने रिश्तों, उनसे जुड़ी उम्मीदों और निजी जीवन के अनुभवों को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि समय के साथ उन्होंने अपने जीवन जीने के तरीके में कई बदलाव किए हैं और अब वह रिश्तों को पहले से अलग नजरिए से देखती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि पहले वह अकेले रहना बिल्कुल पसंद नहीं करती थीं, लेकिन अब उन्हें समझ आ गया है कि कभी-कभी खुद के साथ समय बिताना भी बहुत जरूरी होता है। नन्या पांडे ने अपने पुराने रिश्ते के बारे में बात करते हुए कहा कि उस अनुभव से उन्हें काफी दुख भी मिला, लेकिन साथ ही कई महत्वपूर्ण सीख भी

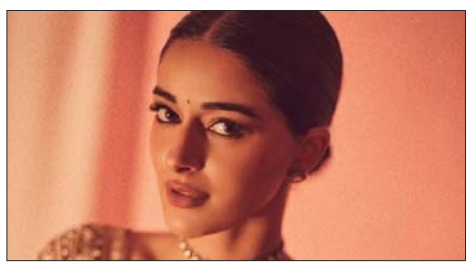

अनन्या ने कहा कि अब वह अपने जीवन में एक बड़ा बदलाव लेकर आई हैं। उन्होंने अपने आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को ज्यादा महत्व देना शुरू कर दिया है। काम के मोर्चे पर भी अनन्या पांडे लगातार सक्रिय हैं। हाल ही में उनकी फिल्म तू मेरी मैं तेरा रिलीज हुई, जिसमें उनके साथ अभिनेता कार्तिक आर्यन नजर आए।

मिली। उन्होंने बताया कि उस रिश्ते का असर उनके आत्मसम्मान पर भी पड़ा था।

परिवार और दोस्तों के साथ रहना पसंद

हार्पर बाजार इंडिया को दिए साक्षात्कार में अनन्या ने बताया कि उन्हें हमेशा अपने परिवार और दोस्तों के बीच रहना अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि पहले उन्हें अकेले रहने में काफी परेशानी होती थी और वह हर समय अपने करीबियों के साथ रहना चाहती थीं। हालांकि समय के साथ उन्होंने महसूस किया कि अकेले समय बिताने से इंसान खुद को बेहतर तरीके से समझ पाता है। अभिनेत्री ने कहा कि जब उन्होंने खुद के साथ समय बिताना शुरू किया, तब उन्हें अपने जीवन और रिश्तों के बारे में दोबारा सोचने का मौका मिला। अभिनेत्री का मानना है कि रिश्तों में संतुलन और सम्मान बेहद जरूरी होता है।

इम्तियाज की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' का टीजर आउट

दिलजीत दोसां- लीड रोल में दिखाई देंगे, भारत-पाक बंटवारे के बीच दिखेगी अधूरी प्रेम कहानी

मुबंई, एजेंसी

फिल्म मेकर इम्तियाज अली की अगली फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' का टीजर शुक्रवार दोपहर 1:00 बजे रिलीज कर दिया गया है। फिल्म में दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, वेदांग रैना और शरवरी वाघ मुख्य भूमिकाओं में हैं। टीजर से अंदाजा लग रहा है कि यह फिल्म भारत-पाकिस्तान विभाजन की थीम पर आधारित एक इमोशनल लव स्टोरी है। यह फिल्म इसी साल जून में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। टीजर में एक्टर्स को इंट्रोड्यूस कराया गया है। इसमें दिलजीत दोसांझ एक यूट्यूबर के रोल में नजर आ रहे हैं। कहानी में दिलजीत इंटरनेट और सोशल मीडिया की मदद से नसीरुद्दीन शाह को उनके दशकों पुराने प्यार से मिलाने की कोशिश करते दिख रहे हैं।हालांकि, इन कयासों पर पूरी मुहर फिल्म का ट्रेलर आने के बाद ही लगेगी। फिल्म के टाइटल ट्रैक 'मैं

वापस आऊंगा' को टीजर में यूज किया गया है। इसे खुद दिलजीत दोसांझ ने गाया है। फिल्म के वीडियो को देखकर लग रहा है कि वेदांग रैना इसमें नसीरुद्दीन शाह के युवा अवतार की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, शरवरी वाघ फिल्म में उनकी प्रेमिका के किरदार में नजर आ रही हैं। यह फिल्म एक लड़के और एक लड़की की प्रेम कहानी से शुरू होकर पूरे देश के इमोशन्स को छूती हुई आगे बढ़ती है।

सूरज बड़जात्या की बेटी ईशा के रिसेप्शन में पहुंचे सलमान

आमिर खान भी नजर आए, तब्बू और रानी मुखर्जी भी इवेंट में शामिल हुईं

- सलमान खान रॉयल ब्लू शर्ट और सूट में कड़ी सुरक्षा के बीच पहुंचे।
- जैकी श्रॉफ ब्लू आउटफिट और आइकॉनिक प्लांट नेकपीस के साथ पहुंचे।

मुबंई, एजेंसी

फिल्ममेकर सूरज बड़जात्या ने गुरुवार शाम को मुंबई में अपनी बेटी ईशा और उनके पति अभिषेक की शादी का रिसेप्शन होस्ट किया। यह इवेंट जुहू के JW मैरियट होटल में हुआ और इसमें सलमान खान, आमिर खान समेत कई बॉलीवुड सेलेब्स शामिल हुए। सूरज बड़जात्या की बेटी के रिसेप्शन में विक्की कौशल, अनिल कपूर, अनुपम खेर, तब्बू, सोनाली बेंद्रे, नीना गुप्ता और बोमन ईरानी जैसे कलाकार पहुंचे। इसके अलावा रानी मुखर्जी, सोनू सूद और जैकी श्रॉफ जैसे सेलेब्स भी नजर आए। बता दें कि सूरज

बड़जात्या मशहूर डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और स्क्रीनराइटर हैं। वे राजश्री प्रोडक्शंस के चेयरमैन हैं, जिसे उनके दादा ताराचंद बड़जात्या ने शुरू किया था। सूरज ने 1989 में 24 साल की उम्र में फिल्म मैंने प्यार किया से डायरेक्शन में डेब्यू किया था, जो बहुत बड़ी हिट साबित हुई थी। बता दें कि फिल्म मैंने प्यार किया बतौर लीड एक्टर सलमान खान की पहली फिल्म थी। उन्होंने 'हम आपके हैं कौन...!', 'हम साथ-साथ हैं', 'विवाह', 'प्रेम रतन धन पायो' और 'ऊंचाई' जैसी फिल्में बनाईं।

बेटी के साथ दुबई में फंसीं लारा दत्ता भारत लौटीं

बोलीं- वीडियो इसलिए पोस्ट किया, क्योंकि वह मेरा आखिरी वीडियो हो सकता था

- लारा दत्ता ने 2011 में टेनिस खिलाड़ी महेश भूपति से शादी की। दोनों की बेटी सायरा का जन्म 20 जनवरी 2012 को हुआ था।

मुबंई, एजेंसी

मध्य-पूर्व में चल रहे तनाव के बीच दुबई में फंसीं एक्ट्रेस लारा दत्ता और उनकी 14 साल की बेटी सुरक्षित मुंबई लौट आई हैं। लारा ने बताया कि दुबई के जेबेल अली पोर्ट के पास बमबारी के कारण स्थिति चिंताजनक थी। साथ ही एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो इसलिए पोस्ट किया, क्योंकि उन्हें लगा कि यह उनका आखिरी मैसेज भी हो सकता था। बता दें कि लारा दत्ता ने 4 मार्च को इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल वीडियो पोस्ट कर दुबई में अपनी बेटी सायरा के साथ फंसे होने का अनुभव शेयर किया था। हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में लारा दत्ता ने हाल ही में बताया कि उनका घर जेबेल अली पोर्ट से लगभग 10 किलोमीटर दूर है, जहां लगातार बमबारी हो रही थी। उन्होंने कहा कि परिवार के पास लौटने के लिए उन्होंने

जोखिम उठाने का फैसला किया। लारा ने बताया कि वे दो घंटे की यात्रा करके फुजैराह पहुंचीं। इससे एक दिन पहले ही फुजैराह पोर्ट और ऑयल रिफाइनरी पर भी हमला हुआ था।

लारा ने बताया कि मजाक में उन्होंने फिल्म वेलकम टू द जंगल में अपने को-स्टार अक्षय कुमार से कहा कि उन्हें ऐसा लग रहा था, जैसे वह फिल्म एयरलिफ्ट 2 का हिस्सा हों। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो एक निजी कारण से शेयर किया था। उन्होंने कहा कि वह अपनी बेटी के साथ अकेले एक जोखिम भरी यात्रा पर निकलने वाली थीं और उस समय स्थिति को लेकर काफी अनिश्चितता थी। उन्होंने यह भी कहा कि उनके मन में यह भी ख्याल आया कि शायद यह वीडियो आखिरी मैसेज हो सकता है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में हवाई हमले किए

महिलाओं-बच्चे समेत 4 लोगों की मौत, 15 घायल, तालिबान बोला- इसका जवाब देंगे

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान ने गुरुवार रात अफगानिस्तान के कई इलाकों में हवाई हमले किए। रॉयटर्स के मुताबिक, काबुल में घरों पर हुई बमबारी में 4 लोगों की मौत और 15 घायल हो गए। इसमें महिलाएं और बच्चे शामिल है। हमलों में कई घर भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। वहीं, तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद के मुताबिक, यह हमला प्राइवेट एयरलाइन 'काम एयर' के फ्यूल डिपो पर किया गया, जो सिविलियन विमानों और UN के विमानों को भी फ्यूल सप्लाई करता है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस हमले का जवाब दिया जाएगा। पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारियों ने रॉयटर्स को बताया कि यह कार्रवाई पाकिस्तानी तालिबान (TTP) के ठिकानों पर की गई है। पाकिस्तान का कहना है कि हाल के महीनों में देश में बढ़ते आतंकी हमलों के बाद यह ऑपरेशन शुरू किया गया दरअसल, पाकिस्तान लंबे समय से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार पर

दबाव बनाता रहा है कि वह अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी भी आतंकी संगठन को न करने दे। इस्लामाबाद का आरोप है कि TTP अफगानिस्तान से ऑपरेट हो रहा है, जबकि तालिबान सरकार इन आरोपों से लगातार इनकार करती रही है। पिछले कुछ हफ्तों में अफगान और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के बीच सीमा पर कई बार झड़पें हो चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र के अफगानिस्तान मिशन (UNAMA) के अनुसार 26 फरवरी से 5 मार्च के बीच पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाइयों में 56 नागरिक मारे गए हैं। इनमें 24 बच्चे भी शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के मुताबिक इन हमलों के कारण करीब 1.15 लाख लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर जाने को मजबूर हुए हैं।

पाकिस्तान ने तालिबान नेताओं के गढ़ को निशाना बनाया

तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर कहा कि पाकिस्तानी हमले कंधार और पक्तिका प्रांतों में भी किए गए। कंधार तालिबान नेताओं का गढ़ माना जाता है। वहीं, तालिबान सरकार ने पाकिस्तान के आरोपों को खारिज कर दिया है। उसका कहना है कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल किसी भी देश के खिलाफ हमलों के लिए नहीं होने दिया जाएगा।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच जंग जैसे हालात

पाकिस्तान और अफगानिस्तान में संघर्ष की शुरुआत 22 फरवरी को हुई थी। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में एयरस्ट्राइक की थी। पाकिस्तान के उप गृह मंत्री तलाल चौधरी ने दावा किया था कि सीमावर्ती इलाकों में TTP के ठिकानों पर कार्रवाई में कम से कम 70 लड़ाके मारे गए। बाद में पाकिस्तानी अखबार डॉन ने यह संख्या 80 तक पहुंचने का दावा किया था।

अफगान रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि पाकिस्तान को 'सही समय पर कड़ा जवाब' दिया जाएगा। मंत्रालय ने इन हमलों को देश की संप्रभुता का उल्लंघन बताया था। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ हमले को 'गजब लिल हक' ऑपरेशन नाम दिया था और काबुल समेत कई प्रांतों में हमले किए।

'गजब लिल हक' का मतलब है, अपने हक के लिए खड़े होना।

अमेरिका ने एच-1बी वीजा देने की प्रक्रिया में बदलाव किया

अब सैलरी के आधार पर होगा चयन, 1 अप्रैल से नया फार्म क 129 लागू होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका ने एच-1बी वीजा प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। अब लाभार्थियों का चयन रैंडम लॉटरी के बजाय वेतन के आधार पर होगा। इसके लिए अमेरिकी इमिग्रेशन एजेंसी ने फॉर्म I-129 का नया सिस्टम बनाया है, जिसे 1 अप्रैल 2026 से अनिवार्य कर दिया जाएगा। कंपनियों को विदेशी कर्मचारियों के लिए दाखिल याचिका में नौकरी से जुड़ी जानकारी देनी होगी। इससे पहले की तुलना में ज्यादा अनुभवी और हाई सैलरी पाने वाले प्रोफेशनल्स को वीजा मिलने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। नए सिस्टम में आवेदकों को चार वेतन स्तरों में बांटा जाएगा। जिस पद का वेतन स्तर जितना ऊंचा होगा, चयन प्रक्रिया में उसे उतने अधिक मौके मिलेंगे। मसलन, लेवल-4 के उम्मीदवार को चार मौके मिलेंगे, जबकि लेवल-1 को सिर्फ एक मौका मिलेगा। फॉर्म I-129 का उपयोग अस्थायी कामगारों को अमेरिका बुलाने के लिए किया जाता है। अमेरिका का श्रम विभाग हर पेशे और शहर के लिए एक मानक वेतन तय करता है। उसी के आधार पर नौकरी को लेवल-1 से लेवल-4 में रखा जाता है। ट्रम्प के आदेश का क्या असर- भारतीयों पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा, क्योंकि हर साल कुल जारी किए जाने वाले एच-1बी वीजा में से 70% भारतीय प्रोफेशनल्स को जारी किए जाते हैं। एच-1 बी वीजा की फीस कितनी- पहले फीस लगभग 9 हजार डॉलर यानी करीब 8 लाख 30 हजार रुपए थी, लेकिन सितंबर 2025 में ट्रम्प ने इसे बढ़ाकर 1 लाथ डॉलर यानी लगभग 90 लाख रुपए कर दिया।इस वीजा की अवधि कितनी है- 3-3 साल के लिए दो बार जारी होता है।

फास्ट न्यूज

ड्रोन हमले में फ्रांसीसी सैनिक की मौत

पेरिस। पश्चिम एशिया में धधक रहा युद्ध अब खतरनाक रूप से फैलता नजर आ रहा है। लगातार हो रहे हमलों और जवाबी कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र को बारूद के ढेर पर बैठा दिया है। इसी बीच इराक के कुर्द इलाके एरबिल में हुए घातक हमले ने हालात की गंभीरता और बढ़ा दी, जहां एक फ्रांसीसी सैनिक की मौत हो गई। इस बात की जानकीरी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट के जरिए दी। मैक्रों ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह हमला अस्वीकार्य है।

सऊदी अरब को दिया पूरा समर्थन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ एक विशेष बैठक की। यह मुलाकात जेद्दा में हुई। इस दौरान शहबाज शरीफ ने पश्चिम एशिया के मौजूदा चुनौतीपूर्ण हालात में सऊदी अरब के लिए अपनी पूरी एकजुटता और समर्थन दिखाया। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के हमलों के बाद क्षेत्र में स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।

हरियाणा महिला आयोग के सामने पेश नहीं हुए सिंगर बादशाह

पानीपत। बॉलीवुड सिंगर-रैपर बादशाह हरियाणा महिला आयोग के समन पर शुक्रवार को पेश नहीं हुए। उनकी तरफ पेश हुए वकीलों ने दलील दी कि किसी प्रोफेशनल कमिटमेंट में व्यस्त होने की वजह से बादशाह नहीं आ सके। उन्होंने चेतावनी दी- बादशाह अगर 3 बजे तक पेश नहीं हुए तो उनके खिलाफ कड़ा एक्शन लिया जाएगा।

वॉरजोन में फंसे डॉ. मिलर का मिशन इम्पॉसिबल

ट्रम्प सरकार ने हाथ खड़े किए तो अमेरिकी डॉक्टर ने मोर्चा संभाला

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के न्यू ऑरलियन्स के रहने वाले डॉक्टर जेय मिलर के लिए भारत की 'वन्स-इन-ए-लाइफटाइम' फैमिली वेकेशन एक डरावने अनुभव में बदल गई। मिडिल ईस्ट में बढ़ते युद्ध के तनाव के बीच फंसे डॉक्टर ने जिस तरह से अपनी जान बचाकर घर वापसी की, वह किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। 28 फरवरी को डॉ. मिलर दोहा (कतर) से डलास के लिए रवाना हुए थे, लेकिन ईरान-इजरायल तनाव के चलते हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण उनका विमान एक घंटे बाद वापस दोहा लौट आया। इजराइल और अमेरिका ने ईरान पर हमला किया था। जवाब में ईरान रॉकेट और ड्रोन दाग रहा था। कतर समेत मध्य-पूर्व के कई देशों ने एयरस्पेस बंद कर दिया। फ्लाइटें रद्द हो गईं। हजारों यात्री फंस गए। डॉ. मिलर ने बताया कि उस वक्त उन्होंने अपनी पत्नी को फोन किया और बस इतना कहा कि 'मैं उनसे बहुत प्यार करता हूं, क्योंकि मुझे नहीं पता था कि मैं घर लौट पाऊंगा या नहीं।' मिलर 45 साल के पल्मोनरी और क्रिटिकल केयर स्पेशलिस्ट हैं। वे मरीजों के पास लौटने के लिए पत्नी स्वाथी नर्रा और 5 साल की बेटी देवी से एक हफ्ते पहले भारत से निकल गए थे। भारत से अमेरिका जाते वक्त कतर से मिलर को अगली फ्लाइट पकड़नी थी।

सभी देशों को रूसी तेल खरीदने की इजाजत

अमेरिका ने 30 दिन की छूट दी, ईरान ने क्रूड ऑयल 200 डॉलर पहुंचने की चेतावनी दी थी

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग की वजह से दुनियाभर में कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 100 डॉलर के पार चली गई हैं। इसे काबू में करने के लिए ट्रम्प प्रशासन ने दूसरे देशों को भी रूस से तेल खरीदने की अस्थाई मंजूरी दे दी है। रूस के कई ऑयल टैंकर समुद्र में फंसे हैं। इससे पहले अमेरिका ने भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए प्रतिबंधों में ढील देने की बात कही थी। हालांकि, इस पर भारतीय अधिकारी कह चुके हैं कि भारत तेल खरीदने के लिए किसी भी देश की इजाजत पर निर्भर नहीं है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग (वित्त मंत्रालय) ने गुरुवार को एक लाइसेंस जारी किया। इसके तहत उन रूसी कच्चे तेल और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की डिलीवरी और बिक्री की जा सकती है, जो 12 मार्च की रात 12:01 बजे से

पहले जहाजों पर लोड हो चुके थे। यह छूट सिर्फ 11 अप्रैल तक के लिए दी गई है। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने बताया कि इसका मकसद दुनियाभर में तेल की सप्लाई बढ़ाना है, ताकि बढ़ती कीमतों पर लगाम लग सके। जब फरवरी 2022 में रूस ने यूक्रेन पर हमला किया, तो पश्चिमी देशों का मानना था कि युद्ध के लिए पैसा रूस को तेल और गैस बेचकर मिल रहा है। इसी 'फंडिंग' को रोकने के लिए अमेरिका और यूरोप ने रूस से तेल खरीदने पर

अमेरिका ने कहा- रूस को ज्यादा फायदा नहीं होगा

अमेरिका के ट्रेजरी मंत्री स्कॉट बेसेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा कि राष्ट्रपति ट्रम्प वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक शॉर्ट-टर्म फैसला है और इससे रूस को कोई बहुत बड़ा आर्थिक फायदा नहीं होगा। बेसेंट के मुताबिक रूस की कमाई का बड़ा हिस्सा तेल निकालने के वक्त लगने वाले टैक्स से आता है, जबकि यह छूट सिर्फ उस तेल के लिए है।

का मानना था कि युद्ध के लिए पैसा रूस को तेल और गैस बेचकर मिल रहा है। इसी 'फंडिंग' को रोकने के लिए अमेरिका और यूरोप ने रूस से तेल खरीदने पर पाबंदी लगानी शुरू की थी। मिडिल ईस्ट में एनर्जी सप्लाई और इंफ्रास्ट्रक्चर पर हाल ही में हुए हमलों के बाद फिर से कच्चे तेल की कीमतों में 9% से ज्यादा की तेजी आई है।

क्यों बदला अमेरिका का मन? 3 मुख्य वजहें

1. होर्मुज रूट से सप्लाई ठप: ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच जंग से दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' में सप्लाई ठप हो गई है। यहां से दुनिया का करीब 20% तेल गुजरता है। भारत जैसे देश अपनी जरूरत का करीब आधा तेल इसी रास्ते से मंगाते हैं।

2. 200 डॉलर पहुंच सकता है कच्चा तेल: पिछले कुछ दिनों में ब्रेंट क्रूड की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई थीं। ईरान ने चेतावनी दी है कि कीमतें 200 डॉलर तक पहुंच सकती है। ऐसे में रूसी तेल बाजार में आने से सप्लाई बढ़ेगी, जिससे कीमतों में गिरावट आएगी।

दिन में 30 नहीं, 5 ऑर्डर मिल रहे, रेस्टोरेंट बंद, आईटी कंपनियां बोलीं- घर से टिफिन लाएं

एलपीजी की कमी से स्विग और जोमैटो पर ऑर्डर घटे

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान-अमेरिका जंग के बीच भारत में कॉमर्शियल LPG सिलेंडर की किल्लत का असर फूड इंडस्ट्री पर भी दिखने लगा है। कई शहरों में रेस्टोरेंट और क्लाउड किचन गैस की कमी से जूझ रहे हैं। इस वजह से स्विगी और जोमैटो जैसे फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म पर ऑर्डर कम हो रहे हैं। ऐसे वक्त मे कई डिलीवरी पार्टनर जो पहले ज्यादा डिलीवरी करके ज्यादा कमाई करते थे अभी केवल दिन में चार-पांच ही डिलीवरी कर रहे हैं जिसके कारण उनके सामने भी आर्थिक संकट खड़ा हो रहा है। इसे देखकर यूनियन ने सरकार के सामने कुछ जरूरी मांगे रखी हैं। जेएम फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशनल सिक्योरिटीज के मुताबिक देश की प्रमुख क्विक सर्विस रेस्टोरेंट (QSR) चेन में कुल कुकिंग का 60-65% हिस्सा एलपीजी पर निर्भर है। आमतौर पर इनके पास सिर्फ एक से दो हफ्ते का गैस स्टॉक होता है। रेस्टोरेंट किचन में करीब 80% खाना एलपीजी सिलेंडर से पकाया जाता है, जबकि बाकी हिस्से में पाइप से आने वाली प्राकृतिक गैस जैसे विकल्पों का उपयोग होता है। इसलिए सप्लाई में थोड़ी भी रुकावट आने पर कुछ ही दिनों में किचन का काम प्रभावित हो जाता है।

> गिग वर्कर्स बताते है कि अब दिन के ऑर्डर 30 से घटकर सिर्फ 5-10 रह गए है, क्योंकि रेस्टोरेंट में मैन्यू बहुत छोटा हो गया है

गिग वर्कर्स की 4 प्रमुख मांग

- प्रभावित गिग वर्कर्स को तुरंत 10,000 की आर्थिक सहायता दी जाए।
- स्विगी और जोमैटो जैसे प्लेटफॉर्म पर आईडी डिएक्टिवेशन पर कम से कम 3 महीने की रोक लगाई जाए।
- डिलीवरी पार्टनर्स को इस अवधि में न्यूनतम इंसेंटिव/आय सुनिश्चित की जाए।
- गैस की कमी से प्रभावित डिलीवरी पार्टनर्स, क्लाउड किचन कर्मचारियों, राइड-हेलिंग ड्राइवरों और छोटे फूड बिजनेस से जुड़े लोगों के लिए राहत पैकेज दिया जाए।

कॉरपोरेट कैंटीन तक पहुंचा संकट

गैस संकट की वजह से आईटी कंपनी इंफोसिस के कई कैंपस की कैंटीन सेवाओं पर असर पड़ा हैं। कंपनी ने कर्मचारियों को सलाह दी है कि वे फिलहाल घर से खाना लेकर आएं, क्योंकि कैंटीन में सीमित मेन्यू ही उपलब्ध रहेगा।

सेंसेक्स 1500 अंक गिरकर 74,500 पर आया

निफ्टी में 500 अंकों की गिरावट, मेटल और बैंकिंग शेयर्स में सबसे ज्यादा बिकवाली

मुंबई, एजेंसी

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के बीच शेयर बाजार में आज यानी 12 मार्च को लगातार तीसरे दिन गिरावट है। सेंसेक्स 1500 अंक (1.97%) की गिरावट के साथ 74,500 पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी 500 अंक (2.06%) की गिरावट है, ये 23,150 पर आ गया है। आज मेटल और बैंकिंग शेयर्स में सबसे ज्यादा गिरावट है। FMCG शेयर्स में तेजी है। अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध से सप्लाई चेन बिगड़ गई है। साउथ कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.66% गिरकर 5,490 पर कारोबार कर रहा है। जापान का निक्केई इंडेक्स 1.04% गिरकर 53,884 पर कारोबार कर रहा है। हॉन्गकॉन्ग

का हैंगसेंग इंडेक्स 0.48% की गिरावट के साथ 25,593 पर है। चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.22% नीचे 4,120 पर कारोबार कर रहा है। डाउ जोन्स 739 अंक (1.56%) गिरकर 46,677 के स्तर पर बंद हुआ। टेक बेस्ड इंडेक्स नैस्डैक कंपोजिट 1.78% गिरकर 22,311 पर बंद हुआ। S&P 500 इंडेक्स 103 अंक (1.52%) गिरकर 6,672 पर बंद हुआ। कच्चा तेल 100 डॉलर के पार ट्रेड कर रहा ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में आज तेजी है। ब्रेंट क्रूड करीब 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार कर रहा है। इससे पहले 9 मार्च को ब्रेंट क्रूड 120 डॉलर पर पहुंच गया था। शेयर बाजार में में यानी 12 मार्च को लगातार दूसरे गिरावट रही थी। सेंसेक्स 829 अंक (1.08%) की गिरावट के साथ 76,034 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 228 अंक की गिरावट रही।

गिरावट : 1 केजी चांदी ₹8,350 सस्ती होकर ₹2.60 लाख पर आई, ईरान जंग का असर

10ग्राम सोना ₹1,748 गिरकर ₹1.58 लाख का हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग की वजह से चांदी-सोने में आज 13 मार्च को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,748 रुपए गिरकर 1.58 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले 12 मार्च को सोना 1,60 लाख रुपए प्रति 10g था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 8,350 रुपए घटकर 2.60 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 2.68 लाख रुपए किलो थी। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2026 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 17,566 रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी।

कीमतें गिरने की 3 बड़ी वजहें

- **ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम:** अमेरिका में महंगाई के आंकड़ों ने फेडरल रिजर्व की ओर ब्याज दरों में जल्द कटौती की संभावना कम कर दी है। माना जा रहा है कि मार्च की मीटिंग में दरें नहीं घटेंगी।
- **कैश पर बढ़ा भरोसा:** अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग से मार्केट में अनिश्चितता बढ़ गई है और निवेशक सोने के बजाय नकद हाथ में रखना पसंद कर रहे हैं। इससे सोने की मांग पर असर पड़ा है।
- **महंगा तेल और शेयर बाजार की गिरावट:** मिडिल ईस्ट जंग की वजह से तेल की कीमतें भी बढ़ रही हैं,इसका असर कमोडिटी मार्केट पर भी हो रहा है।

अलग-अलग शहरों में सोने के दाम अलग होने की 4 वजहें

- **ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी:** सोना एक शहर से दूसरे शहर ले जाने में ईंधन और भारी सुरक्षा का खर्च आता है। आयात केंद्रों से दूरी बढ़ने पर ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ जाती है, जिससे स्थानीय दाम बढ़ जाते हैं।
- **खरीदारी की मात्रा :** दक्षिण भारत जैसे इलाकों में खपत ज्यादा (करीब 40%) होने के कारण ज्वेलर्स भारी मात्रा में सोना खरीदते हैं। इससे मिलने वाली छूट का फायदा ग्राहकों को कम दाम के रूप में मिलता है।
- **लोकल ज्वेलरी एसोसिएशन:** हर राज्य और शहर के अपने ज्वेलरी एसोसिएशन (जैसे तमिलनाडु में मद्रास ज्वेलर्स एसोसिएशन) होते हैं। ये संगठन स्थानीय मांग और सप्लाई के आधार पर अपने इलाके के लिए सोने का रेट तय करते हैं।
- **पुराना स्टॉक और खरीद मूल्य:** ज्वेलर्स ने अपना स्टॉक किस रेट पर खरीदा है, यह भी मायने रखता है। जिन ज्वेलर्स के पास पुराने और सस्ते रेट पर खरीदा हुआ स्टॉक होता है, वे ग्राहकों से कम कीमत वसूल सकते हैं।

इराक में अमेरिका का केसी-135 टैंकर विमान क्रैश

चालक दल के चार लोगों की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी सेना ने बताया कि ईरान के खिलाफ चल रहे सैन्य अभियानों का समर्थन कर रहा KC-135 रिफ्यूलिंग विमान पश्चिमी इराक में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। विमान में सवार छह चालक दल के सदस्यों में से चार की मौत की पुष्टि हो गई है। हादसे के बाद बचाव अभियान जारी है। पश्चिम एशिया क्षेत्र की निगरानी करने वाली यूएस सेंट्रल कमांड के अनुसार, यह दुर्घटना फ्रेंडली एयरस्पेस में दो विमानों से जुड़े एक अज्ञात घटना के बाद हुई। घटना में शामिल दूसरा विमान सुरक्षित लैंड कर गया। यह ईरान के साथ जारी युद्ध के दौरान सार्वजनिक रूप से सामने आया अमेरिकी सेना का चौथा विमान हादसा है। KC-135 टैंकर विमान का इस्तेमाल लड़ाकू विमानों को हवा में ईंधन भरने के लिए किया जाता है, जिससे वे लंबे समय तक ऑपरेशन जारी रख सकें। KC-135

अमेरिकी वायुसेना का एक प्रमुख एरियल रिफ्यूलिंग (हवा में ईंधन भरने वाला) विमान है, जो लड़ाकू और बमवर्षक विमानों को उड़ान के दौरान ईंधन देकर उन्हें लंबी दूरी तक मिशन जारी रखने में मदद करता है। विमान में सामान्य तौर पर पायलट, को-पायलट और बूम ऑपरेटर सहित तीन सदस्यीय क्रू होता है। पीछे की ओर स्थित बूम ऑपरेटर एक विशेष फ्यूल बूम के जरिए दूसरे विमानों से जुड़कर उन्हें ईंधन देता है। कुछ मिशनों में यह विमान घायलों की मेडिकल इवैक्यूएशन या निगरानी कार्यों में भी इस्तेमाल किया जाता है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96